आज शब्द नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद - 7

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम : हरदीप पुरी- 10

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार- 11

टी-20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित - 12

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
9.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.02
सूर्यास्त 05.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष एकादशी 01:55 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 29 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 359, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत

पुणे के बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे से टकराया विमान, 4 अन्य की गई जान, महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक

- विजिबिलिटी कम होने पर पहली बार में पायलट नहीं करा सके थे लैंडिंग, पुनः प्रयास में हुआ हादसा, दिवंगत पवार का अंतिम संस्कार आज
- हादसे में पायलट सुमित कपूर, सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, पीएसओ विधिप जाधव व विमान परिचारिका पिंकी माली की भी गई जान

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) समेत पांच लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मौत हो गई। पवार 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। पवार के सम्मान में महाराष्ट्र ने 30 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा।

सरकार ने बताया कि विमान एटीसी ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) से गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हादसे की खबर के बाद पवार परिवार में शोक छा गया। सांसद सुप्रिया सुले और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार परिजनों से मिलते समय भावुक होकर रो पड़ीं। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में थोड़ा अस्थिर दिख रहा था और जैसे ही जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया।

पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट हुई विमान दुर्घटना के बाद लगी आग।

चार्टर्ड प्लेन 'लियरजेट 45' में इनकी गई जान

अजित पवार, उप मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र)

सुमित कपूर पायलट (दिल्ली)

शांभवी पाठक, सह-पायलट (ग्वालियर)

विदीप जाधव पीएसओ, (महराष्ट्र)

पिंकी माली, फ्लाइट अटेंडेंट (जौनपुर)

एएआईबी जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए दोपहर बाद बारामति पहुंच गई। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विमान से बरामद किए जाने वाले 'ब्लैक बॉक्स' (जिसमें फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं) का विश्लेषण किया जाएगा। बुधवार सुबह, 16 साल पुराना और मध्यम आकार का विमान दूसरी बार लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अजित पवार की मृत्यु से स्तब्ध हूं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। मोदी पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एक अच्छा मित्र खो दिया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को इस त्रासदी की जानकारी दी।

...वो आखिरी 26 मिनट

- बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।
- इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से 'दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों' में नीचे उतरने की सलाह दी गई।
- चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।
- इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।
- चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था- फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आएगा, हम संपर्क करेंगे। कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है।
- विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।
- आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ब्रीफ न्यूज

सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4 .05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। 99 .9% शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

(विस्तृत कारोबार पेज पर)

ट्रंप ने ईरान पर हमले की दी धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उम्मीद है कि ईरान जल्द बातचीत के लिए आगे आएगा। ईरान पर जून में हुए हमलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने लिखा, अगला हमला इससे कहीं ज्यादा खतरनाक होगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण
- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने हमारी सेना का पराक्रम देखा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है। उन्होंने कहा सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है।

जी राम जी पर विपक्ष का विरोध

राष्ट्रपति ने मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए गए कानून का जिक्र करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत - जी राम जी कानून बनाया गया है। नए सुधार से गांव में एक सौ पच्चीस दिन के रोजगार की गारंटी होगी। इस दौरान विपक्ष ने इस कानून का विरोध करते हुए नारेबाजी की और इसे वापस लेने की मांग की।

अनिल अंबानी की कंपनियों की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपये हो गया है।

ईडी ने कहा कि धन शोधन के तहत 4 अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं। आरएचएफएल, आरसीएफएल, यस बैंक धोखाधड़ी के साथ-साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में कुर्की की गई है।

लखनऊ भेजे गए अलंकार समर्थकों का जबरदस्त हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अफसरों ने बाहर भेजने के मसले पर चुप्पी साधी, धक्का-मुक्की में इंस्पेक्टर गिरे, नारेबाजी

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार की दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ भेज दिया गया। बाहर भेजे जाने की सूचना पर उनके समर्थक आक्रोशित हो उठे और गाड़ी रोकने की कोशिश करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को गाड़ी में बैठाकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बाहर भेजने में सफल रही। उनके साथ कुछ करीबी मित्र भी गए हैं।

निलंबित अफसर को कहां भेजा गया है, इस अफसर मौन रहे, अलबत्ता अलंकार ने स्वयं मैसेज करके बताया है कि वह सुरक्षित हैं और लखनऊ के लिए जा रहे हैं। इससे पूर्व अलंकार को बाहर भेजने की जानकारी मिलते ही समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। समर्थकों ने अलंकार को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर दी। धक्का-मुक्की में एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया।

भदरसा गैंगरेप केस : मोइद दोषमुक्त, राजू दोषी करार

अयोध्या कार्यालय। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित 12 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप के मामले में कोर्ट ने मुख्य आरोपी सपा नेता मोइद खान को दोष मुक्त कर दिया, जबकि दूसरे आरोपी राजू खान को दोषी पाते हुए जेल भेज दिया। राजू खान को सजा कितनी दी जाए। इस बिंदु पर सुनवाई 29 जनवरी होगी। यह आदेश विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट निरुपमा विक्रम की अदालत में हुआ। आरोपियों के अधिवक्ता सईद खान, अवधेश यादव व कृपाल चंद्र खरे ने बताया कि पूराकलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 12 वर्षीय किशोरी के साथ गैंगरेप हुआ था। इसकी रिपोर्ट पीड़िता की मां ने 29 जुलाई 2024 को मोइद खान और राजू खान के खिलाफ घटना के ढाई माह बाद लिखाई थी। उसने कहा था कि उसकी पुत्री खेत में काम कर रही थी। राजू उसे पकड़ कर बेकरी में ले गया और वहां मोइद खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विवेचक ने मामले में दोनों के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया। बुधवार को कोर्ट रूम में मोइद खान को सभी आरोपों से दोष मुक्त, जबकि दूसरे आरोपी को गैंगरेप समेत कई धाराओं में दोषी करार दिया गया।

एनसीसी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाने का आंदोलन : मोदी

- राष्ट्रीय कैडेट कोर की रैली को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ऐसा आंदोलन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में कैडेटों की संख्या में निरंतर बढ़ रही है और हाल के वर्षों में यह 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है जिसमें देश के सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोदी ने दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह ऐसा मंच है जहां युवा अपनी विरासत को गर्व से जीते हैं। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए उत्सवों का उल्लेख किया। 'परमवीर सागर यात्रा' को एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया था, और कैडेटों ने अपनी नौकायन यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों के सम्मान की इस भावना को आगे बढ़ाया।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों से बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी।

कार्यक्रम | मुख्यमंत्री ने किया सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ, 1052 करोड़ की 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उपद्रव की जगह अब होते हैं उत्सव, 25 करोड़ आबादी परिवार : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को परिवार मानकर सरकार ने विकास का अभियान आगे बढ़ाया है। बीमार मानसिकता के लोगों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक बीमार बनाए रखा, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ इस बीमारी को जड़ से खत्म किया। अब उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है।

सीएम बुधवार को पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने 1052 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। योगी ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के विकास के लिए धन उपलब्ध करा रही है। जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों से योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की उपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार भी व्यक्त किया। योगी ने कहा कि एक समय सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद इसलिए था क्योंकि यहां विकास नहीं, बल्कि बीमारी और पलायन था। इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौतें होती थीं। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2017 में संकल्प लिया गया कि एक भी बच्चा इस बीमारी से नहीं मरेगा। आज यह बीमारी इतिहास बन चुकी है।

सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बांटकर नहीं, जोड़कर होता है विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, मत-मजहब, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटकर विकास नहीं किया जा सकता। सतत और समग्र विकास ही रामराज्य की अवधारणा का साकार रूप है। गरीबों को राशन, आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं बिना भेदभाव दी जा रही हैं। सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीब, महिला, युवा और किसान हैं।

गोरखपुर-शामली बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी को फोरलेन से जोड़ा जा रहा है। खलीलाबाद-बहराइच रेल लाइन जिले से होकर गुजर रही है, जिससे निवेश बढ़ेगा। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर जनपद की तीन विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकास का नया मार्ग बनेगा।

न्यूज ब्रीफ

यूपी-जापान संबंधों को मिलेगा नया आयाम

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश और जापान के बीच वेलनेस टूरिज्म, बौद्ध पर्यटन, खेल पर्यटन (विशेषकर गोल्फ), व्यंजन एवं खानपान, सांस्कृतिक यात्रा तथा साहित्य और ज्ञान आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बुधवार को यामानाशी प्रांत से आए जापानी प्रतिनिधिमंडल और उप्र. सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने की। मंत्री जयवीर सिंह ने अप्रैल या मई में जापान में 'यूपी फेस्टिवल' के आयोजन की संभावना भी जताई। पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने जापान की जीवन-दर्शन परंपराओं- इकिगाई, वाबी-साबी, जेन और जाजेन का उल्लेख करते हुए वेलनेस और आध्यात्मिक पर्यटन में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडेरा ने कहा कि दिसंबर 2024 में हुए एमओयू के बाद दोनों पक्षों के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि आगामी अगस्त में 200 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आएगा, जिससे पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संबंध और सुदृढ़ होंगे।

उद्योग के लिए यूपी बना ड्रीम डेस्टिनेशन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा किए गए व्यापक नियामक और प्रशासनिक सुधारों का असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। वर्षों से जटिलताओं और अनुपालनों के बोझ से जूझ रहे उद्योग-व्यापार को बड़ी राहत मिली है। 577 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने, 948 पुराने कानूनों को समाप्त करने और ट्रेड लाइसेंस जैसी अनिवार्यताओं को खत्म करने से प्रदेश उद्योगों के लिए 'ड्रीम डेस्टिनेशन' के रूप में उभर रहा है। सरकार के सुधारवादी कदमों से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल हुई हैं, बल्कि निर्णय लेने की गति भी तेज हुई है। जहां पहले परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने में वर्षों लग जाते थे, वहीं अब समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो रहा है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और निवेश प्रस्तावों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने से अनुपालनों की प्रक्रिया ऑनलाइन हुई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रशासनिक बोझ घटा। छोटे उल्लंघनों पर जेल जैसे कठोर प्रावधान हटने से कारोबारियों का भय समाप्त हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' वास्तविक अर्थों में धरातल पर उतरी है। इन सुधारों का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई सेक्टर को मिला है। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई संचालित हैं, जिनकी संख्या जल्द ही एक करोड़ से अधिक होने की संभावना है। नियमों की सरलता से छोटे उद्यमी औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं और अपने कारोबार का विस्तार कर पा रहे हैं।

ऑडिट में उलझीं जल संरक्षण की 51 परियोजनाएं

कृषि विभाग और परती भूमि विकास की नोडल एजेंसी में खींचतान, अब कृषि निदेशालय कराएगा ऑडिट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पहले गाइडलाइन फिर बजट और अब विभागीय ऑडिट में परती भूमि विकास विभाग की 34 जिलों में बनी 51 डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई-2.0 यानी जल संरक्षण की परियोजनाएं उलझ गई हैं। पारदर्शिता के लिए कृषि निदेशालय परियोजनाओं का विभागीय ऑडिट कराएगा। यह आदेश भी जारी कर दिया है।

इधर, परती भूमि विकास विभाग की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी ने गाइडलाइन का हवाला दिया कि केंद्र की इस वित्त पोषित परियोजना में विभागीय ऑडिट का उल्लेख नहीं है, न ही सम्बंधित से इसकी स्वीकृति ली गई। केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार, नोडल एजेंसी स्तर से परियोजना का मूल्यांकन (मिड एवं इंड टर्म) का कार्य विशेषज्ञ सरकारी एजेंसी कर रही है। साथ ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय में इमपैनल्ड सीए फर्म की ओर से ऑडिट किया जा रहा है। इसके जवाब में कृषि निदेशालय ने शासन स्तर से गठित कमेटी और निदेशक आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय की ओर से अनुमोदन के उपरांत ही ऑडिट कराने की बात कही है। राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि किसी तरह की आपत्ति नहीं है। कृषि विभाग ने नियमों के तहत ही ऑडिट का निर्णय लिया होगा। इस मामले पर निदेशक कृषि से संपर्क नहीं हो सका।

मार्च तक पूरी करनी हैं परियोजनाएं

यह योजना परती भूमि विकास विभाग की है, जो कर्मियों और संसाधनों की कमी होने पर कृषि विभाग को दी गई थी और भूमि संरक्षण शाखा द्वारा कार्य कराए गए। परियोजनाओं में जल संरक्षण के साथ किसान, ग्रामीण व महिलाओं को आजीविका से जोड़ना है। वर्ष 2023 में धरातल पर कार्य शुरू हुए थे और मार्च 2026 तक इसे पूर्ण करना है। कुल बजट 581 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसमें 50 फीसद ही बजट मिलना बताया गया। इससे शेष कार्य व भुगतान करना है।

इन 34 जिलों में परियोजनाएं

लखनऊ, बरेली, कानपुर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, कन्नौज, रामपुर, बदायूं, बिजनौर, सम्भल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, हापुड़, कुशीनगर, देवरिया, महोबा, हमीरपुर, एटा, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, वाराणसी, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सहारनपुर व बागपत।

योजना के मुख्य कार्य

- भूजल बढ़ाने के लिए कुओं की मरम्मत व जीर्णोद्धार
- जीर्ण जल संचय बंधियां, चेकडैम, तालाब आदि का जीर्णोद्धार
- कैटिल घाट, छठ पूजन घाट का निर्माण व मरम्मत
- जरूरत के हिसाब से चबूतरा, सीढ़ी, रूफटॉप, हैंडपंप, सोखपिट
- कृषि उत्पाद समूह व महिला समूह बनाना
- खेती, बागवानी, वनीकरण के लिए बीज, सिंचाई आदि में सहायता
- ऊसर, बंजर भूमि का समतलीकरण व कटान रोकना

चालकों को बगैर प्रशिक्षण मार्ग पर न भेजा जाए: एमडी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परिवहन निगम के सभी 20 क्षेत्रों की समीक्षा

अमृत विचार: सभी चालक एवं परिचालक की डयूटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से लगाना सुनिश्चित करें। चालकों को बगैर प्रशिक्षण दिलाये मार्ग पर न भेजा जाए। ड्राइवरों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक कर उनकी नियमित काउन्सलिंग की जाए। साथ ही चालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट भी निरंतर किया जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौत के आंकड़ों में 50 प्रतिशत तक कमी लाई जाए। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को यह दिशा-निर्देश जारी किए।

एमडी बुधवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों के अफसरों से मुखातिब थे। इस दौरान सभी रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधकों/सेवा प्रबंधकों, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को जोड़ा गया था। समीक्षा के दौरान प्रबंध निदेशक ने सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन कराने के निर्देश दिये। प्रबंध निदेशक ने कहा कि गत वर्ष जनवरी में फैटल दुर्घटनाओं की कुल संख्या 23 व घायलों की संख्या 55 रही जबकि इस वर्ष माह जनवरी में 8 फैटल एवं घायलों की संख्या 27 रही।

बख्शे न जाएं भूमाफिया : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, कहा- किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखनाथ मंदिर में महिला फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि कोई दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है, तो उसे तुरंत कब्जामुक्त कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले या कमजोरों को परेशान करने वाले भूमाफिया को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उनका कहना था कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान कहीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में करीब 150 लोगों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं संतोषजनक समाधान का निर्देश दिया। जनता दर्शन में भूमि कब्जा से जुड़ी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोई दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न कर पाए।

इसके अलावा, महिलाओं द्वारा परिवारिक विवाद और ससुराल पक्ष से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर मामले का हल निकाला जाए और जरूरत पड़ने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी मांगने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की कमी से किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाई गुड़-रोटी

अमृत विचार : गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेका। तत्पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित गोशाला का भ्रमण किया और श्यामा, गौरी, गंगा, भोला सहित सभी गोवंश को अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाई। सीएम योगी की दिनचर्या में गोसेवा शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने हाथ से बच्चों को मिष्ठान्न दिया और दो बच्चों को गोद में लेकर अन्नप्राशन कराया।

किसानों को एक फोन पर मिलेगी पूरी जानकारी, हेल्पलाइन शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

हेल्पलाइन का उद्घाटन करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, साथ में मंत्री बलदेव सिंह औलख।

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम पहल की है। अब किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे एक फोन कॉल के माध्यम से घर बैठे ही सभी जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए कृषि विभाग ने बुधवार को कृषि हेल्पलाइन की शुरुआत की।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ लखनऊ स्थित कृषि निदेशालय में बुधवार को हेल्पलाइन की शुरुआत की। कृषि मंत्री ने बताया कि किसान अब सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्पलाइन नंबर 0522-2317003 पर कॉल कर कृषि विभाग से जुड़ी अनुदान, योजनाओं और कृषि निवेश की सभी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस अवसर पर सचिव कृषि इंद्रविक्रम सिंह, कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी, अपर निदेशक आशुतोष मिश्र, संयुक्त निदेशक अखिलेश कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना बनी किसानों की सुरक्षा कवच

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 18,145 किसानों को दी गई 873.58 करोड़ रुपये की सहायता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है। योजना के तहत दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार को 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 18,145 किसानों या उनके परिवारों को कुल 873.58 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। योजना की शुरुआत से अब तक 1,08,098 किसानों और उनके परिवारों को लाभ मिल चुका है। वर्ष 2023-24 में योजना का दायरा बढ़ाकर भूमिहीन किसानों और खेतिहर श्रमिकों को भी शामिल किया गया था, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता सुनिश्चित हुई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जा रहा है। एनआईसी की मदद से विकसित वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर फरवरी 2026 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। डिजिटल पोर्टल के माध्यम से किसानों को अब बार-बार तहसील या जिला कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी।

1000 करोड़ के यूपी स्टार्टअप फंड से नवाचार को मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीड कैपिटल, प्रोटोटाइप और भरण-पोषण भत्ते से स्टार्टअप को मिला सहारा

अमृत विचार : उप्र. सरकार नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में एक हजार करोड़ रुपये का यूपी स्टार्टअप फंड गठित किया गया है, जिसका उद्देश्य नए विचारों को व्यवसाय में बदलने में मदद करना है। अब तक इस फंड से स्टार्टअप को सीधे 325 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा चुकी है, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती मिली है।

प्रदेश में वर्तमान में 19,000 से अधिक स्टार्टअप को डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त है, जिनमें 9,600 से अधिक महिला नेतृत्व वाले हैं। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में यह बड़ी सफलता मानी जा रही है।

"स्टार्ट इन यूपी" योजना के तहत अब तक 3,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है, जबकि 2,100 से अधिक स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सहायता प्राप्त हुई है। 76 मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर स्टार्टअप को तकनीकी, प्रबंधन और मेंटरशिप सहायता दे रहे हैं।

नए स्टार्टअप्स के लिए सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता के तहत 376 आवेदन स्वीकृत किए गए और 26.43 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई। प्रोटोटाइप विकास के लिए 74 स्टार्टअप को 3.55 करोड़ की मदद दी गई। स्टार्टअप की शुरुआती चुनौतियों को कम करने के लिए भरण-पोषण भत्ता योजना में 2.46 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई और 566 इंसेंटिव आवेदन के तहत 32 करोड़ की सहायता दी गई। प्रदेश में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तकनीकी शोध और नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, जिन पर अब तक 27.18 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

अपर्णा और प्रतीक में हुई सुलह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सोशल मीडिया पर साझा की गई अपर्णा यादव व प्रतीक यादव की फोटो।

- प्रतीक यादव ने फोटो के जरिए की समझौते की पुष्टि

अमृत विचार : समाजवादी परिवार से जुड़े अपर्णा यादव और प्रतीक यादव के बीच चला आ रहा विवाद अब समाप्त होता दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह की बात की जा रही है। इसकी पुष्टि प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी और अपर्णा यादव के साथ सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा करते हुए की है।

बीते दिनों मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व अपनी पत्नी अपर्णा यादव की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें 'स्वार्थी महिला', 'परिवार नाशक' और 'बुरी आत्मा' जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने लिखा था कि अपर्णा ने उनके पारिवारिक रिश्तों को बर्बाद कर दिया है, उनकी मानसिक स्थिति खराब की है और केवल प्रसिद्धि व प्रभाव बढ़ाने में लगी हैं। जिसके बाद दोनों के बीच पारिवारिक मतभेद को लेकर चर्चाएं चल रही थीं, जो मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी सुर्खियों में रही थीं। इस विवाद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि अब दोनों पक्षों की सहमति के बाद इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अपर्णा यादव वर्तमान में भाजपा से जुड़ी हैं और प्रतीक यादव समाजवादी परिवार से संबंध रखते हैं। ऐसे में यह विवाद राजनीतिक चर्चाओं का भी विषय बना हुआ था। प्रतीक की नई पोस्ट से माना जा रहा है कि इससे अनावश्यक राजनीतिक अटकलों पर भी विराम लगेगा।

हेलमेट स्टाइल को नहीं, जीवन रक्षा के लिए पहनें : किंजल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सड़क सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करतीं परिवहन आयुक्त किंजल सिंह।

अमृत विचार : उप्र. परिवहन विभाग की परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हेलमेट स्टाइल या लुक्स के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए पहना जाना चाहिए। बताया कि विदेशों में सड़क दुर्घटनाएं कम होने का कारण वहां का सख्त अनुशासन है, जिसे भारत में भी अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने अभिभावकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बच्चे जो ठान लें, उसे अभिभावक नजरअंदाज नहीं कर पाते।

यह बातें उप्र.परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत लखनऊ स्थित वाहन परीक्षण केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद परिवहन आयुक्त बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिना हेलमेट या लाइसेंस वाहन चलाने से रोकना अभिभावकों की जिम्मेदारी है। लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम में स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, संभव सेवा समिति और माउंट लिटेरा जी स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने और हेलमेट न पहनने के दुष्परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। इससे पहले परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पेंटिंग और स्लोगन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समापन सत्र में स्काउट-गाइड और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को यातायात नियमों के पालन और प्रचार-प्रसार की शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्कूलों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

अवैध पार्किंग पर परिवहन विभाग का सख्त रुख

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा माह के तहत अवैध पार्किंग और नियम उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और प्रमुख सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 117 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। 1 से 27 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान में कुल 4,949 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 3,488 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान किए गए। गंभीर मामलों में 55 वाहनों को मौके पर सीज किया गया और 1,847 वाहनों को क्रेन से हटाया गया।

उपलब्धि

वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीक और जन-जागरूकता से बना 'लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल'

मीरजापुर में लाइटनिंग अरेस्टर से मौतों में 50 प्रतिशत गिरावट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने वज्रपात से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में उठाया बड़ा कदम
- लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर 80 स्थानों पर ईएसई लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। आकाशीय बिजली की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माने जाने वाले मीरजापुर जिले में वज्रपात से होने वाली मौतों में करीब 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह सफलता वैज्ञानिक अध्ययन, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और व्यापक जन-जागरूकता अभियानों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। सरकार का लक्ष्य अब इन मौतों को पूरी तरह शून्य पर लाना है।

भौगोलिक संरचना, पथरीली जमीन और बड़े पैमाने पर खनन कार्यों के कारण मीरजापुर जिला लंबे समय से वज्रपात की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। योगी सरकार का यह लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल अब देश के अन्य संवेदनशील जिलों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) मीरजापुर के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उप्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मजबूत किया गया। मीरजापुर में लागू किया गया लाइटनिंग मिटिगेशन प्रोजेक्ट इसी का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

डीडीएमए मीरजापुर की ओर से पिछले 4-5 वर्षों के आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ के प्रोजेक्ट इवैल्यूएशन, आईआईटीएम पुणे के वज्रपात स्थलीय डेटा, आईआईटी रुड़की से जुड़े विशेषज्ञों के शोध, सीआरओपीसी की ओर से संवेदनशीलता आकलन को शामिल किया गया। पाया गया कि अधिकांश मौतें खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, जल स्रोतों के पास और कच्चे मकानों में होती हैं। इसके आधार पर जिले का लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप तैयार किया गया। लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर पहले चरण में जिले के अत्यंत संवेदनशील इलाकों में 80 स्थानों पर अर्ली स्ट्रीमर एमिशन (ईएसई) आधारित लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए। ये उपकरण आकाशीय बिजली को सुरक्षित रूप से जमीन में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जान-माल की क्षति नहीं होती। कई अरेस्टरों में लगे इंडिकेटर यह दर्शाते हैं कि वे कई बार बिजली को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर चुके हैं।

मौतों के आंकड़ों में आई गिरावट

वर्ष 2019 में 30 मौतें, वर्ष 2020 में 28 मौतें, वर्ष 2021 में 23 मौतें, वर्ष 2022 में 30 मौतें, जबकि वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अब तक यह संख्या घटकर 14 रह गई है।

खराब प्रदर्शन पर 20 जिलों को नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आयुष्मान कार्ड और फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश
- समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्य सचिव एसपी गोयल।

अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 20 जिलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व वादों की समीक्षा में उन्होंने पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित कराने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 15 लाख नई घरौनियों के वितरण का प्रस्ताव रखते हुए जिलों को गैप आकलन कर अधिकतम घरौनी निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जारी होगी नई ऑपरेटर आईडी

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनाने के निर्देश दिए। सभी जिलों को आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए नई ऑपरेटर आईडी जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रत्येक जिले में न्यूनतम 1000 ऑपरेटर आईडी जारी करने के निर्देश दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

उधार लेकर व्यापारी के सात लाख हड़पे

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर में स्टील पाइप की दुकान चलाने वाले एक व्यापारी ने अपने एक कस्टमर पर सात लाख रुपये का भुगतान हड़पने और धमकाने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। कानपुर रोड अवध विहार कॉलोनी निवासी व्यापारी इरशाद अहमद ने बताया कि आशियाना के किला मोहम्मदी निवासी शिवराम चौहान उनकी दुकान से उधार में सामान लेकर जाते थे। करीब सात लाख रुपये बकाया होने पर पीड़ित व्यापारी ने अप्रैल माह में रुपये वापसी का दबाव बनाया। सुलह के बाद भी आरोपी मुकर गया। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा के आदेश पर कृष्णानगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एटीएम कार्ड चोरी 40 हजार निकाले

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर स्थित फीनिक्स माल स्मार्ट बाजार में शॉपिंग दौरान महिला के पर्स से एटीएम कार्ड चोरी हो गया। उसके बाद एटीएम से ही 40 हजार रुपये निकाल लिए गए। दुबग्गा के अमन कॉलोनी निवासी यूसुफ ने बताया कि 9 जनवरी की शाम वह कानपुर रोड स्थित फीनिक्स माल स्मार्ट बाजार में खरीदारी के लिए गई थी। स्मार्ट बाजार के कैश काउंटर पर उसने खरीदारी का 233 रुपये का भुगतान किया था। इस बीच उसके पर्स से एटीएम कार्ड गायब हो गया और मात्र पंद्रह मिनट में माल के निकट ही स्थित एसबीआई एटीएम से उसके कार्ड द्वारा 40 हजार निकाल लिए गए। पीड़िता ने माल कर्मचारी पर मिलीभगत की आशंका जताते हुए कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

महिलाओं को दबंगों ने पीटा, फटा सिर

अमृत विचार, आलमबाग : थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी में दबंग भाइयों ने साथियों संग मिलकर एक युवक पर हमला कर दिया। बचाने आयी मां और परिवार की अन्य महिलाओं को बेरहमी से पीटा। जिसमें एक महिला का सिर फट गया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़िता रोहिनी तिवारी ने बताया कि 26 जनवरी की रात करीब 9 बजे बेटा कृष तिवारी सामान लेने के लिए घर से निकला था। मोहल्ले में रहने वाले दिग्विजय सिंह ने भाई रणविजय और आबू संग कृष पर हमला कर दिया। मारपीट में बेटे की चीख सुनकर मां, बहन और भाभी सुष्मिता द्विवेदी बीचबचाव करने पहुंची तो आरोपी उनपर भी हमलावर हो गए। आरोपियों ने सुष्मिता के सिर पर रॉड व गुम्मे से वारकर दिया। जिससे वह लहूलुहान हो गयी। पीड़िता ने बताया कि किसी तरह जान बचाकर भागने पर आरोपी असलहा लहराते हुए घर तक पहुंचे और धमकाया। इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि रोहिनी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

युवती समेत दो ने फंदा लगा दी जान

अमृत विचार, लखनऊ : कैंट के निलमथा इलाके में सिमरन (20) ने घर में दुपट्टे से पंखे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शाम को जब सिमरन की मां वंदना घर लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने कई आवाज दी, लेकिन जवाब नहीं मिला। पड़ोसी छत के रास्ते किसी तरह वंदना के घर पहुंचे। वहां देखा कि सिमरन ने कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक रही थी। पड़ोसियों ने सिमरन को फंदे से नीचे उतारा और लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, ठाकुरगंज के बरौरा में मंगलवार की शाम निजी वाहन चालक साहिल (30) का उनकी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद साहिल की पत्नी छत की पहली मंजिल पर चली गई। कुछ देर बाद वह नीचे आई तो साहिल का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ था।

एफडी के सदमे में अधेड़ की मौत

पांच लाख की एफडी जाली और खाते से 6.75 लाख निकलने से पड़ा हार्ट अटैक

बीओबी घोटाला

संवाददाता, काकोरी

बैंक के बाहर प्रदर्शन करते खाता धारक।

- 25 से अधिक खाता धारकों ने किया बैंक शाखा में प्रदर्शन

अमृत विचार: मोहान रोड स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर में संचालित बैंक ऑफ बड़ौदा में कराई गई पांच लाख रुपये की एफडी फर्जी निकलने और खाते में जमा 6.75 लाख रुपये निकल जाने के सदमे में एक अधेड़ की मौत हो गई। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि की है। उधर, बुधवार दोपहर बैंक पहुंचे 25 खाता धारकों ने जमकर नारेबाजी कर हंगामा किया।

सरदौना निवासी नूर मोहम्मद ने बताया कि पिता मो. आमीन (54) ने प्लॉट बेचा था। उसके 12 लाख रुपये लेकर वह करीब दो साल पहले बैंक ऑफ बड़ौदा गए थे। वहां बैंक मित्र शिवा राव और सिक्योरिटी गार्ड दीपक मिला था। उसने पांच साल के लिए पांच लाख रुपये की एफडी कराने की बात कही। झांसा दिया था कि उक्त रकम पांच साल में दोगुनी हो जाएगी। इसके अलावा सात लाख रुपये बचत खाते में भी जमा कराए थे। तत्कालीन बैंक प्रबंधक से हस्ताक्षर कराकर एफडी से संबंधित दस्तावेज दिए थे। बीते दिनों बैंक में ग्राहकों के साथ हुई करोड़ों की ठगी की जानकारी पिता को हुई। इसके बाद वह भी बैंक पहुंचे। बैंक मैनेजर को एफडी दिखाई तो उन्होंने फर्जी बता दी। बचत खाता चेक किया तो पता चला कि उससे भी पौने सात लाख रुपये निकल गए हैं। उसके बाद से वह सदमे में थे। इसी सदमे में सोमवार रात पिता की हालत बिगड़ गई। आनन-फानन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को पिता का शव दफना दिया गया। बुधवार को नूर मोहम्मद ने बैंक अफसरों पर प्रताड़ना और ठगी का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। नूर मोहम्मद ने बताया कि परिवार में पत्नी अतिया बानो और छह बेटे हैं।

वहीं, दोपहर बैंक पहुंचे 25 से अधिक खाताधारकों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। पीड़ित खाताधारकों ने बैंक अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। पीड़ितों का कहना है कि पुलिस ने बैंक मित्र शिवा राव और पूर्व सिक्योरिटी गार्ड दीपक को गिरफ्तार किया, लेकिन मुख्य आरोपियों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। जांच अधिकारी एसएसआई ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के रीजनल ऑफिस को लिखित सूचना भेजकर जांच में सहयोग करने को कहा गया है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि ठगी का शिकार मो. आमीन की सदमे से मौत की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ये पीड़ित भी हुए शिकार

सरोसा निवासी आरती ने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी के लिए पांच लाख रुपये की एफडी कराई थी, जो अब गायब है। सुमन रावत ने बताया कि उनकी शादी के लिए पिता ने 2 लाख 90 हजार रुपये जमा कराए थे, जिसमें एफडी में गड़बड़ी पाई गई। भरोसा गांव की शांति की एक लाख रुपये की एफडी फर्जी निकली। शिवानी सिंह के खाते से दो लाख रुपये गायब हैं, जबकि सदरौना निवासी ममता के खाते से एक लाख 16 हजार रुपये की निकासी सामने आई है।

गोदाम में लगी आग लाखों का सामान जलकर जला

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बिजनौर थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक वेयरहाउस के बेसमेंट में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। वेयरहाउस से तेज धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने सूचना फायर कंट्रोल रूम और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची चार दमकल गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से लाखों रुपये का नुकसान होना बताया जा रहा है। कृष्णा नगर के एलडीए कॉलोनी निवासी गौरव पस्सी का बिजनौर के सरवन नगर में केके इंटरप्राइजेज नाम से रजनीगंधा, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और कुरकुरे आदि का गोदाम है। शाम को करीब 6 बजे गोदाम मालिक और कर्मचारी गोदाम बंद कर घर चले गए। रात करीब 9:30 बजे बेसमेंट में बने गोदाम से अचानक तेज धुएं के साथ आग की लपटें उठने लगी। आसपास के लोगों ने सूचना गोदाम मालिक गौरव के अलावा पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को दी। सरोजनीनगर फायर स्टेशन से दो और आलमबाग फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ी ने 1 घंटे में आग पर काबू पाया।

सीओ चकबंदी का पेशकार पांच हजार घूस लेते गिरफ्तार

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- प्रॉपर्टी डीलर की शिकायत पर एंटी करप्शन की ट्रैप टीम ने दबोचा
- अभिलेख दुरुस्तीकरण के नाम पर मांगी थी रिश्वत, थाने में रिपोर्ट

रिश्वत का आरोपी राजीव कुमार।

अमृत विचार: बख्शी का तालाब तहसील स्थित चकबंदी कार्यालय में सीओ चकबंदी के पेशकार को एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए बुधवार को रंगेहाथ दबोच लिया। आरोप है कि आरोपी पेशकार ने अभिलेख दुरुस्तीकरण में सुधार के लिए घूस मांग रहा था। शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन विभाग को इस बारे में सूचना दी, जिसके बाद आरोपी को ट्रैप कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ बीकेटी थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

इटौंजा के जमखनवा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर योगेश मिश्रा की खतौनी में गाटा संख्या की त्रुटि को सुधारने के लिए सीओ चकबंदी कोर्ट में केस दायर किया था। त्रुटि वश चकबंदी अभिलेख में दर्ज गाटा संख्या 426 को संशोधन कर 436 करने के लिए दायर केस में पेशकार राजीव कुमार प्रभाकर (कनिष्ठ लिपिक) रिश्वत मांग रहा था। कई बार कहने पर भी आरोपी ने सुनवाई नहीं की। पेशकार धमकी दे रहा था कि अगर 5000 रुपये नहीं दोगे तो वाद खारिज कर दिया जाएगा।

लंबे समय से केस के टालमटोल पर योगेश ने एंटी करप्शन टीम से मदद मांगी थी। शिकायत पर एंटी करप्शन टीम की प्रभारी संध्या सिंह टीम के साथ बुधवार शाम करीब सवा तीन बजे सीओ चकबंदी कार्यालय में पहुंची। जैसे ही पीड़ित ने पेशकार राजीव कुमार को रुपये दिए, टीम ने उसे दबोच लिया। पेशकार को पकड़ने के बाद कुछ अधिवक्ता आगे बढ़े लेकिन टीम उसे गाड़ी में बैठाकर निकल गयी।

कार्रवाई से पूरे तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। एंटी करप्शन की टीम आरोपी को लेकर बीकेटी थाने पहुंची। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक बख्शी का तालाब कैलाश दुबे ने बताया कि मूल रूप से रहीमाबाद के कैथोलिया निवासी आरोपी राजीव कुमार प्रभाकर हंसखेड़ा पारा में रहता है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

रिश्वतखोरों की सूची में चकबंदी विभाग पांचवें नंबर पर

- चकबंदी विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले चार सालों में सरकारी विभागों में बैठे 681 रिश्वतखोर गिरफ्तार हुए हैं। इनमें चकबंदी विभाग पांचवें नंबर पर है। सबसे आगे राजस्व विभाग हैं जहां पर 266 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई। दूसरे नंबर पर पुलिस विभाग हैं जहां 108 पुलिसकर्मी चिन्हित किए गए। बिजली विभाग के 63, शिक्षा विभाग के 29 और चकबंदी के 20 कर्मचारी पकड़े जा चुके हैं। तहसील समाधान दिवस पर भी सबसे अधिक शिकायतें चकबंदी विभाग की आती हैं।

तीन दुकानों के ताले टूटे, चोर कैमरे में कैद

संवाददाता, सरोजनीनगर

- बंथरा व सरोजनीनगर में हुई वारदात, दो दुकानों से माल नहीं ले जा सके चोर

अमृत विचार: बंथरा और सरोजनीनगर में मंगलवार देर रात चोरों ने तीन ज्वैलर्स दुकानों को निशाना बनाया।

बंथरा के रामचौरा गांव निवासी सर्राफ व्यवसायी कौशल कुमार रावत की बंथरा में कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास धर्मवीर ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। मंगलवार शाम करीब सात बजे वे दुकान बंद कर घर चले गए थे। बुधवार सुबह आसपास के दुकानदारों ने उनकी दुकान का शटर टूटा देख उन्हें सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ है और अंदर से करीब 40 से 50 हजार रुपये कीमत का चांदी का सामान गायब है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। इसी दौरान बगल में स्थित बंथरा गांव निवासी अभिजीत सिंह की राज लक्ष्मी ज्वैलर्स दुकान का शटर भी टूटा मिला, हालांकि यहां से चोर कुछ नहीं ले जा सके। सीसीटीवी फुटेज में रात करीब 1:30 बजे तीन युवक शटर तोड़कर दुकान में घुसते दिखाई दिए हैं। सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी में रनियापुर गांव निवासी बसंत कुमार की अन्नू ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। दुकान पर उनके बेटे दीपक रहते हैं। दीपक ने बताया कि मंगलवार शाम दुकान बंद करने के बाद वह घर चले गए थे। बुधवार सुबह पड़ोसी दुकानदारों ने उनकी दुकान का शटर टूटा देख सूचना दीपक को दी। दीपक ने पहुंचकर छानबीन की तो पता चला कि कोई सामान चोरी नहीं हुआ है। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर रात करीब 3:30 बजे एक व्यक्ति टॉर्च की रोशनी में दुकान में सामान तलाशता नजर आ रहा है। इसी दौरान किसी कार के आने पर वह भाग निकला।

गोसाईगंज: थाना क्षेत्र के सुशांत गोल्फ सिटी के माढरमऊ कला निवासी योगेश कुमार के घर से चोर हजारों रुपये व लाखों के जेवर गायब हैं। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

बेसहारा लोगों के लिए शुरू हो हेल्पलाइन : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सड़कों पर बेसहारा घूम रहे व निराश्रित लोगों की पहचान और पुनर्वास को लेकर दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवायी करते हुए कहा है कि निराश्रितों की पहचान व मदद के लिए राज्य स्तर पर एक समर्पित हेल्पलाइन शुरू की जानी चाहिए। न्यायालय ने राज्य सरकार से अपेक्षा जताई है कि वह अगली सुनवाई तक इस संबंध में ठोस कार्य योजना प्रस्तुत करेगी। मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने ज्योति राजपूत की याचिका पर दिया। न्यायालय ने कहा कि कम से कम चार हेल्पलाइन नंबर सार्वजनिक किए जाएं और उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आम नागरिक जहां कहीं भी निराश्रित व्यक्ति को देखें, उसकी सूचना तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर दे सकें। इसके बाद राज्य के संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत, संरक्षण और पुनर्वास की कार्रवाई कर सकें। न्यायालय ने आगे कहा कि इस स्तर पर राज्य सरकार द्वारा गठित 11 सदस्यीय टास्क फोर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर टास्क फोर्स प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है।

युवक पर चाकू से हमला, मृत समझ नहर में फेंका, छह पकड़े

संवाददाता, गोसाईंगंज

- पुलिस ने गोताखोरों की मदद से घायल को निकाला
- गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती घटना में प्रयुक्त कार बरामद

अमृत विचार: रंजिश में युवक को कार से अगवा कर ताबड़तोड़ चाकूओं से वार किए। खून से लथपथ युवक को मृत समझकर आरोपी इंदिरा नगर नहर में फेंक कर भाग गए। राहगीर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से घायल युवक को मरणासन्न हालत में निकालकर अस्पताल भेजा। वहां उसकी हालत गंभीर बताई। घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। घायल के बयान के आधार पर गोसाईंगंज पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार बरामद कर ली है।

गोसाईंगंज के सेमरापीतपुर गांव निवासी रवि राजगीर का काम करता है। 22 जनवरी को रवि का सुशांत गोल्फ सिटी के चौरासी गांव निवासी अजीत का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसका बदला लेने के लिए अजीत ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर 26 जनवरी की शाम को गांव के बाहर रवि को पकड़ लिया। कार से अगवा कर आरोपी नई जेल के पास पहुंचे। आरोपियों ने रवि पर ताबड़तोड़ चाकू से कई वार कर दिए। खून से लथपथ रवि को मृत समझकर आरोपियों ने उसे अचली खेड़ा गांव के पास इंदिरा नहर में फेंक दिया।

इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि एक राहगीर ने घटना देखी तो डॉयल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को नहर में उतारा। कुछ देर में ही गोताखोरों ने जख्मी हालत में बेहोश रवि को बाहर निकाला। आनन-फानन में एंबुलेंस की मदद से घायल को ट्रामा सेंटर-2 भेजा गया। होश में आने पर पुलिस ने परिजन का मोबाइल नंबर लेकर उन्हें घटना की जानकारी दी। पिता सुनील कुमार ने छोटू, अजीत, राजेश और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी।

पुलिस ने छापेमारी कर गोसाईंगंज के देईटीकर गांव निवासी रिश्तेदार बृजेश उर्फ छोटू, अजीत कुमार निवासी ग्राम चौरासी, राम सिंह निवासी मलौली, सौरभ वर्मा, विशाल यादव और प्रशांत यादव निवासी मलौली गोसाईंगंज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बुधवार को आरोपियों को जेल भेज दिया है।

बारिश से गेहूं व अन्य फसलों को फायदा

अमृत विचार, लखनऊ : अचानक मौसम में परिवर्तन होने से हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, लेकिन उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। कृषि विज्ञान केंद्र अध्यक्ष व वरिष्ठ कृषि विज्ञानी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे के मुताबिक बारिश गेहूं, सरसों, मटर, आलू, सब्जियों समेत सभी फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी। यह बारिश आम के लिए नुकसानदायक है। इससे पहले बागवानों को बचाव करना है।

डॉ. अखिलेश ने बताया कि इस समय खेतों पर गेहूं, मटर, सरसों, टमाटर, आलू आदि की फसलें लगी है। मंगलवार सुबह बारिश इन फसलों के लिए फायदेमंद है। जिले में जलभराव जैसी स्थिति नहीं बनी है बल्कि फसलों की हल्की सिंचाई हुई है। इससे फसल की पैदावार और गुणवत्ता बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में किसान सप्ताहभर तक सिंचाई न करें। जिस जगह ज्यादा बारिश हुई है तो वहां के किसान खेत सूखने का इंतजार करके ही सिंचाई करें। वहीं, यह बारिश आम के फसल को प्रभावित करेगी। इससे जिन पेड़ों में बौर आई है उसमें फफूंदी और कीटरोग लगेंगे। इसके नियंत्रण के लिए कारबेंडाजिम डेढ़ ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसके अलावा पत्तियों में चूर्ण कीट लगने पर नीम का तेल तीन से चार एमएल प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

जायजा

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आंगनबाड़ी और सीएचसी का किया निरीक्षण

कम वजन वाले बच्चों की सेहत की निगरानी जरूरी

संवाददाता, मोहनलालगंज

निरीक्षण के दौरान सीईओ मनोज सिंह व अन्य।

अमृत विचार : मोहनलालगंज में बुधवार को आंगनबाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लेने पहुंचे स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बाल विकास पुष्टाहार विभाग के पोषण पोर्टल के जरिए कुपोषण के दायरे में आने वाले गांव के बच्चों के विकास पर बारीकी से नजर रखने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्र छोटी खेड़ा ,देवी खेड़ा और गढ़ी के कायाकल्प मॉडल की उन्होंने सराहना की, सीएचसी की सुविधाओं पर संतोष जताया।

सीईओ मनोज सिंह ने आईसीडीएस के अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से जन्म के बाद कम वजन वाले बच्चों की स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से नियमित जांच पड़ताल और उनके परिवार को जागरूक कर बच्चों के ग्रोथ रेट कक्ष ख्याल रखने के निर्देश दिए, ताकि कुपोषण का खात्मा किया जा सके। प्राइमरी स्कूल छोटी खेड़ा पहुंचे सीईओ ने स्कूल के बच्चों से सवाल जवाब कर उनकी पढ़ाई लिखाई परखी। बच्चों को गणित में कमजोर पाकर शिक्षकों से बातचीत कर उन्होंने आसान तरीकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के निर्देश दिए। मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे सीईओ मनोज कुमार सिंह ने सुविधाओं पर संतोष जताया। लेबर रूम और मेटरनिटी वार्ड का निरीक्षण कर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों से मातृत्व मृत्यु दर हर हाल में घटाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। सीईओ ने प्रसव के 42 दिन बाद तक जच्चा बच्चा की स्थिति पर नजर बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर फौरन मेडिकल हेल्प उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाओं का जायजा लेकर बीमार और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त जांच और उपचार मुहैया कराने में किसी भी तरह की चूक नहीं होने देने पर जोर दिया।

बारामती में विमान हादसा हृदय विदारक : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार एवं अन्य सदस्यों का निधन को अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक बताया है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

● महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जताया गहरा शोक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रदेश भाजपा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अजीत पवार की असामयिक मृत्यु महाराष्ट्र और भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। इस कठिन समय में शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

यूपी-जापान सहयोग और बढ़ाने पर चर्चा

मुख्यमंत्री योगी से शिष्टाचार भेंट के दौरान जापान के यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडोरा व प्रतिनिधिमंडल के सदस्य।

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को जापान के यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडोरा के नेतृत्व में आठ सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में भारत-जापान के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी और उत्तर प्रदेश एवं यामानाशी प्रान्त के बीच सहयोग को और बढ़ाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत और जापान के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि विश्वास, नवाचार और सतत विकास जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। उत्तर प्रदेश इस साझेदारी को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में वर्ष 2024 में हुए एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में नहीं बनने दी मेट्रो : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि कहा जा रहा है कि दुनिया में सबसे ज्यादा रेलवे लाइनें बनायी गयी हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के क्षेत्र वाराणसी में मेट्रो नहीं बनने दी, जबकि मेट्रो के लिए डीपीआर और एलाइनमेंट सब कुछ समाजवादी सरकार में हो गया था।

सपा प्रमुख बुधवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुद को सनातनी कहने वालों ने पूज्यनीय शंकरचार्य का अपमान किया है। स्नान नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि जो दूसरे का प्रमाण-पत्र मांग रहे हैं, उन्हें अपना प्रमाण-पत्र भी दिखाना चाहिए। जो खुद को योगी कहते हैं, वे योग का सबसे आसान आसन एक पैर खड़े होने में भी डगमगाते हैं। उन्हें किसने और किस बात का योगी होने का प्रमाण-पत्र दिया है।

उ0प्र0 अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय, लखनऊ।

प्रथम/द्वितीय तल, चतुर्थ टावर, सिग्नेचर बिल्डिंग पुलिस मुख्यालय, लखनऊ।Email- fshqup@gmail.com

पत्रसंख्याः एफ0एस0(टी)- 271-2025(15वें वित्त आयोग) दिनांकःजनवरी, 24 ,2026

निविदा सूचना

उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा हेतु 08 अदद Rescue Kit क्रय/निर्माण किये जाने हेतु जेम पोर्टल पर जेम कस्टम बिड संख्या- GEM/2026/B/7136216 दिनांक 24.01.2026 को कस्टम बिड की गयी। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

BID DETAILS	
जेम कस्टम बिड संख्या	GEM/2026/B/7136216
दिनांक	24.01.2026
बिड बंद होने की तारीख/समय	09.02.2026 10:00:00
बिड खुलने होने की तारीख/समय	09.02.2026 10:30:00
बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से)	180(DAYS)
प्री-बिड मीटिंग तारीख/समय	29.01.2026 13:00:00 FSHQ, LKO

उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा हेतु 08 अदद Rescue Kit क्रय/निर्माण किये जाने हेतु जेम पोर्टल पर जेम कस्टम बिड संख्या- GEM/2026/B/7136216 दिनांक 24.01.2026 में उल्लखित एवं जेम पोर्टल पर उल्लखित क्रय संबंधित समस्त नियम व शर्तों के साथ ही ऑनलाइन प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(सुभाष कुमार)
मुख्य अग्निशमन अधिकारी/
नोडल अधिकारी(परचेज),
अग्निशमन तथा आपात सेवा,
मुख्यालय, उ0प्र0, लखनऊ।

UP – 244761 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द ''खुली निविदा'' वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इन्जीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:–

• **निविदा सूचना संख्याः 09 वर्ष 2026,** कार्य का विवरणः **1-** LJN डिवीजन के MBP स्टेशन पर यात्रियों के लिये आवश्यक सुविधाओं के साथ स्टेशन का विकास, **2-** LJN स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 1से 6 के सतह सुधार के साथ कान्कोर्स क्षेत्र, पैसेंजर हॉल, वेटिंग हॉल और पानी की आपूर्ति पाइपलाइन, शौचालय और सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, **3-** पुराने PP शेल्टर में SOD के वर्तमान Infringement के कारण प्लेटफार्म संख्या 2,3,4 और 5 पर नये PP शेल्टर के प्रावधान से संबंधित S&T कार्य और LJN स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 6 पर जालदी शीट प्रदान करना (SSE/W/LJN सेक्शन में), **4-** LJN डिवीजन में SDDN पर दूसरे प्रवेश द्वार (दक्षिण दिशा) के लिये दूरसंचार सुविधाओं की स्थापना। अनुमानित लागतः ₹ 1,98,23,998.87, बयाना राशिः ₹ 2,49,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹0.00, कार्य समापन अवधिः 180 दिन।

(1) निविदाओं के बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय 17-02-2026 at 15:00 Hrs.

नोटः इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट ***http://www.ireps.gov.in*** को देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (सिग. एवं दूरसंचार)
मुजाधि/सिगनल-90 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

तकनीक देश के भविष्य की आधारशिला : पाठक

नॉलेज ऑन स्फीयर एवं साइंस एक्सपो-2026 का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विज्ञान आंचलिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विज्ञान और तकनीक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला हैं। विज्ञान के बिना जीवन अधूरा है और आज का समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और निरंतर नवाचार का है।

उप मुख्यमंत्री ने यह बात बुधवार को अलीगंज स्थित विज्ञान आंचलिक केंद्र में आयोजित नॉलेज ऑन स्फीयर एवं साइंस एक्सपो-2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता, नवाचार और अनुसंधान की भूमिका पर जागरूक किया। उन्हें बताया कि यह कार्यक्रम विज्ञान को केवल सुनने या पढ़ने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे देखने, समझने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि नॉलेज ऑन स्फीयर शो की मदद से प्राकृतिक घटनाओं जैसे चक्रवात का निर्माण, उसकी तीव्रता और तट की ओर गति को वास्तविक समय में समझा जा सकता है। इस प्रक्रिया से दर्शक वैज्ञानिक तथ्यों को आसानी से समझ पाते हैं। इस साइंस एक्सपो-2026 में प्रदेश एवं देश के 18 प्रमुख वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थान, मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं, और अपने अनुसन्धान कार्यों, उपलब्धियों और नवाचारों को प्रदर्शित कर रहे हैं।

● विज्ञान की उपयोगिता, नवाचार और अनुसंधान की भूमिका पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

इस मौके पर विधायक नीरज बोरा, परियोजना निदेशक राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र विजय शंकर शर्मा, उपनिदेशक इसरो नंदनी हरिनाथ, निदेशक सीएसआईआर डॉ. प्रमोद त्रिवेदी समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

इंडियन इलेवन पहुंचा फाइनल में

अमृत विचार, लखनऊ : 21वीं बाबू बनारसी दास बी डिवीजन क्रिकेट लीग के सेमीफाइनल मुकाबले में बारिश के बाद टॉस के सहारे इंडियन इलेवन ने यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ जीत दर्ज कर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। जीसीआरजी ग्राउंड पर हुए दो दिवसीय सेमीफाइनल में यूथ क्रिकेट क्लब ने टॉस जीता और पहले दिन पहले बल्लेबाजी करते हुए 372 रन का एक बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में इंडियन इलेवन ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए पांच ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 14 रन बना लिए। इसी दौरान बारिश और खराब मौसम के चलते मैच रोकना पड़ा।

निर्वाचन प्रक्रिया में असुविधा के खिलाफ आयोग को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं की सुविधा और एसआईआर प्रक्रिया के सुगम संचालन के लिए सभी एईआरओ को संबंधित मतदान केंद्र-बूथ के निकट स्थान पर कैंप लगाने की व्यवस्था करने की मांग की है। इसके लिए सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बलरामपुर जिले में विदेश में रहने वाले मतदाताओं पर फार्म-7 भरकर नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए असहज दबाव और एफआईआर की धमकी देने की भी शिकायत की गई। पार्टी ने तर्क दिया कि यह कार्य नियमों और संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है।

तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को समूहों से जोड़ें : केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● उपमुख्यमंत्री ने सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेंगे और इनके माध्यम से प्रदेश को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए तथा एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को योजना भवन में सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रेरणा कैंटीन का विस्तार किया जाएगा और ब्लॉक परिसरों में दीदियों को व्यापार के लिए स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने "एक जनपद–एक व्यंजन" योजना शुरू करने के निर्देश दिए, जिसके तहत प्रत्येक जिले में समूहों द्वारा संचालित दुकान या कैंटीन खोली जाएगी।

सेमीफाइनल में पहुंचा इकाना रेंजर्स

अमृत विचार, लखनऊ : आर्यन कनौजिया के 4 विकेट लेने के बाद सलामी बल्लेबाज सूर्यांश सिंह की ठोस बल्लेबाजी (41 गेंद, 63 रन) की बदौलत बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के क्वार्टर फाइनल में इकाना रेंजर्स ने स्टैंडर्ड क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बुधवार को सूर्या इंस्टीट्यूट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में स्टैंडर्ड क्लब की पूरी टीम 37.3 ओवरों में 183 रनों पर ढेर हो गई।

लखनऊ नगर निगम

3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लालबाग, लखनऊ. ई-टेण्डर पोर्टलः https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0: 364/मु0अ0/2025-26 दिनांक: 28.01.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू–बिड सिस्टम पर दिनांक 17.02.2026 को 01 कार्य हेतु ई–निविदा, ई–निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई–निविदा दिनांक 17.02.2026 को अपराह्न 15:00 बजे तक ई–निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी, जिन्हें दिनांक 17.02.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जाएगा। किसी भी ई–निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

मुख्य अभियन्ता

कार्यालय, क्षेत्रीय खेल कार्यालय
के0डी0 सिंह "बाबू" स्टेडियम, लखनऊ।
ई–मेल – rsolucknowoffice@gmail.com

संख्या– 2114 /2025–26 दिनांक 27.01.2026

जेम निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्षेत्रीय खेल कार्यालय, के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में खेल निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या–1/250732 दिनांक 26.08.2025 द्वारा प्राप्त स्वीकृति के क्रम में ताइक्वाण्डो सेंसर उपकरण जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय किया जाना है, जिसको क्रय करने हेतु जेम पोर्टल पर कस्टम/BOQ बिड प्रकाशित की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है :–

सामग्री का नाम	बिड संख्या	प्रकाशित होने की तिथि	निविदा बन्द होने की तिथि/समय	निविदा खुलने की तिथि/समय
ताइक्वाण्डो सेंसर उपकरण	GEM/2026/B/7077617	27-01-2026	11-02-2026 05:00 PM	11-02-2026 05:30 PM

उक्त उपकरण के क्रय हेतु जेम की नियम व शर्तें एवं विभाग द्वारा निर्धारित नियम व शर्तें लागू होंगी। बिड में उल्लिखित क्रय सम्बन्धी समस्त नियम व शर्तों को पूर्ण करने वाले समस्त इच्छुक सेवाप्रदाताओं से जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रित की जाती है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, लखनऊ बिना कोई कारण बताये किसी भी या सभी बिडों को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण/दस्तावेज बिड के साथ जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

UP - 244820 दिनांक: 28/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी
लखनऊ मण्डल, लखनऊ

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2015 की सह प्रमाण पत्र (अनुक्रमांक 1554504) और इंटरमीडिएट परीक्षा 2017 अनुक्रमांक (1130664) की मार्कशीट कहीं रास्ते में गिरकर खो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी अंकपत्र का कोई पता नहीं चल सका है। **-सौरभ कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह, निवासी खेरा, पोस्ट इटैली, अछल्दा (औरैया)**

सूचना

मैं नफीस उददीन पुत्र हफीज उददीन निवासी ग्राम भमौरा, तहसील मौदहा, जिला हमीरपुर अपने पुत्रों बाबू राशिद खां और अजनान बाबू व पुत्र वधुओं गुलफ्सा व साबरीन बानो से उनके गलत आचरण और गलत कार्यो के चलते सम्बन्ध विच्छेद और अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनके द्वारा किए गए नैतिक, अनैतिक कार्यो से मेरा व मेरे परिवार का कोई सम्बन्ध नहीं है। अपने द्वारा किए गए कार्यो के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **नफीस उददीन पुत्र हफीज उददीन निवासी ग्राम भमौरा, तहसील मौदहा जिला हमीरपुर**

सूचना

मेरे पासपोर्ट सं0–Z2833120 में मेरे पिता का नाम प्रकाश यादव (Prakash Yadav) हैं, मेरे आधार कार्ड में प्रकाश (Prakash) अंकित है। अतः मेरे पिता का नाम प्रकाश यादव (Prakash Yadav) पासपोर्ट में लिखा जाए। **विनय यादव पुत्र स्व. प्रकाश यादव निवासी–ग्राम व पोस्ट पिलखर थाना इकदिल जिला इटावा।**

सूचना

मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम श्याम जी गलत दर्ज हो गया है जबकि समस्त अभिलेखों में नाम श्याम जी राणा दर्ज है जो सही है। **श्याम जी राणा पुत्र सुलखान सिंह निवासी रता का पुरवा, भाग्यनगर फफूँद औरैया**

सूचना

पहले मेरा नाम ANIL KUMAR KAPOOR था अब मैने बदलकर अपना नाम ANIL KAPOOR रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- JAGANNATH PRASAD KAPOOR R/O- 313/16 KHUN KHUN JI ROAD CHOWK, LUCKNOW

सूचना

मैं **रानी देवी पत्नी श्री राम औतार, निवासिनी– ग्राम व पोस्ट गुगौली जनपद फतेहपुर उ0प्र0,** यहकि मेरे नाम की स्पेंलिग पूर्व में (RANEE DEVI) थी। जो कि मैने अपने नाम की स्पेंलिग को बदलकर (RANI DEVI) रख लिया है अब मुझे मेरे नाम की स्पेलिंग RANI DEVI से ही जाना जाये।

सूचना

मैं NAIM UDDIN AHMAD पुत्र श्री RAZI UDDIN AHMAD SIDDIQUI, निवासी– 114, शास्त्री नगर, तोपखाना, गोण्डा, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर NAEEMUDDEEN SIDDIQUI कर लिया है, अतः आज से मुझे NAEEMUDDEEN SIDDIQUI S/O RAZI UDDIN AHMAD SIDDIQUI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

NOTICE

In the academic records of my son Aviral Mishra Class-4, his name is written in school record is Aviral Raj Mishra which is incorrect. The correct name is Aviral Mishra.Sarita Mishra w/o Amit MishraHouse no-6, Gawrva Janipur, Tehsil-Colonelganj District - Gonda (UP)

सूचना

मैं **राम मिलन पुत्र चन्द्रिका निवासी ग्राम ताहीपुर मजरे तमरसेपुर पर0 व थाना– सतरिख जिला बाराबंकी,** मैने अपने पुत्र सरवन कुमार जो कि गलत संगत में पड़ कर मेरी किसी भी बात का पालन नहीं करता इसके गलत चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पन्ति से बेदखल करता हूँ आज से मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं हैं। अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैं MOHAMMAD IQBAL ANSARI पुत्र श्री ABDUL QAYYUM ANSARI, निवासी 264/168 KA 19, बिल्लौचपुरा, गढ़िया, पो0– राजेन्द्रनगर, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD IQBAL ANSARI S/O ABDUL KAYYUM ANSARI कर लिया है, अतः आज से मुझे MOHD IQBAL ANSARI S/O ABDUL KAYYUM ANSARI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL NASIR से बदलकर ABDUL NASIR ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ABDUL QAYUM ADD-VILL AND POST-SAFDARGUNJ DIST-BARABANKI-225412 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम रुचि मिश्रा (Ruchi Mishra) से बदलकर रुचि तिवारी (Ruchi Tiwari) रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। Ruchi Tiwari W/O Shri kant Tiwari Add- 2/3 Bhatiya Building Balrampur Hospital Campus, Golaganj Lucknow - 226018

सूचना

सूचित हो कि मेरे पति राजनाथ सिंह पुत्र चन्द्रशेखर नि0– ग्राम–हरीपुर, आज से लगभग 40 वर्ष पहले शहर कानपुर उ0प्र0 में नौकरी के लिये गये थे, परन्तु आज तक वापस नहीं आये। मेरे द्वारा काफी तलाश की गई व कराई गई परंतु आज तक मेरे पति राजनाथ सिंह का पता नहीं चला है/ कहीं लापता हो गये हैं। **लालमुनि सिंह पत्नी राजनाथ सिंह ग्राम हरीपुर– पो0– हरीपुर, तह0 कादीपुर, जिला– सुलतानपुर।**

सूचना

मैं **हरेन्द्र गुप्ता पुत्र असरफी गुप्ता, निवासी ग्राम–पिपरा सुजान, पोस्ट–कुबेरनाथ, तहसील–पडरौना, जनपद–कुशीनगर,** मेरे पत्नी के आधार कार्ड संख्या–4999 5672 6815 में पत्नी का नाम सुमन देवी (Suman Devi) अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट संख्या–N7032219 में पत्नी का नाम MUMAN DEVI अंकित है। सुमन देवी (Suman Devi) व MUMAN DEVI दोनो नाम एक ही महिला यानि पत्नी का ही नाम हैं।वह उक्त दोनो नामों से जानी व पहचानी जाती हैं, परन्तु अब से मेरी पत्नी को सुमन देवी (Suman Devi) पत्नी हरेन्द्र गुप्ता (Harendra Gupta) के नाम से जाना जाये।

सूचना

मै **शब्बीर अहमद सुत करीम बख्श निवासी पूरे पल्टू का पुरवा मेजरगंज कस्बा सुलतानपुर थाना कोतवाली नगर तहसील सदर परगना मीरानपुर जनपद सुलतानपुर,** मेरा पुत्र मोबीन व बहू फूलजहां पत्नी मोबीन अहमद पुत्री जहीद मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा आये दिन मारते पीटते व प्रताड़ित करते रहते हैं तथा पूरे परिवार को हैरान परेशान करते रहते हैं अपने पुत्र मोबीन व बहू फूलजहां को समझाने बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन उक्त लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं इस कारण मैं अपने पुत्र मोबीन व बहू फूलजहां को उनके कृत्यों से तंग आकर उनको अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। पुत्र व बहू द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वे दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

लापता सूचना

मेरे पति विजय जायसवाल पुत्र स्व. भगौती प्रसाद जायसवाल दि.17/06/1991 को अपनी स्कूटी-UP32/DS-6234 से अमीनाबाद गये थे जो आज तक वापस घर नही आये। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट तत्काल थाना–गाजीपुर, लखनऊ में मेरे द्वारा दर्ज करायी गयी थी। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई जानकारी हो तो मेरे निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। विजय जायसवाल का अन्य विवरण इस प्रकार है –कद–5 फिट 5 इंच, रंग–हल्का सांवला, इकहरा शरीर। शान्ती जायसवाल, म.नं.–ए–1325/4, इन्दिरा नगर, निकट मीना मार्केट, लखनऊ।

कार्यालय उपजिलाधिकारी तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर

पत्रांकः 32 /रा0नि0का0/मत्स्य पट्टा नीलामी शिविर/विज्ञप्ति/2025–26 दिनांकः जनवरी 14, 2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0रा0सं0–2006 एवं नियमावली –2016 की धारा 61ख नियम 57 व शासनादेश संख्या 1760/01–02–2013–96 रिट सं0 2013 दिनांक 09 जून, 2013 रा0अनु0–2 लखनऊ व शासनादेश संख्या 3736, दिनांक 17.10.1995 तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विभिन्न याचिकाओं में दिये गये आदेशो के अनुक्रम में नीलामी द्वारा ग्राम सभाओं के 0.5 एकड़ से बड़े तालाबों, पोखरों, मीनाशयों एवं जल प्रणालियों का 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा शिविर का आयोजन शासनादेशानुसार आंवटन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में तहसील सभागार तुलसीपुर में शिविर अधिकारी तहसीलदार तुलसीपुर अथवा तहसीलदार की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार तुलसीपुर की उपस्थिति में प्रातः 10:00बजे से अपराह्न 04:00बजे तक की जायेगी, तथा पट्टा हेतु आवेदन अपराह्न 02:00बजे तक ही स्वीकार की जायेगी, उसके पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नही किया जायेगा। 0.50 एकड़ से 2.00 एकड़ तक लगान 2000.00रु0/एकड़ तथा 2.00 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के तालाबों का 4000.00रु0/ एकड़ लगान निर्धारित की जायेगी तथा आरक्षित बोली का 25 प्रतिशत तत्काल जमा करना होगा। नीलामी पट्टा हेतु तालाबों का विवरण निम्नवत् है :–

क्रमांक	ग्राम का नाम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल (हे0में)	रा0सं0की धारा 61 के अन्तर्गत 2.000हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाबों का लगान रू0 5000 एवं 2.000हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का लगान रू0 10000 प्रति हे0 प्रतिवर्ष की दर से प्रति वर्ष हेतु आरक्षित है।	विकास खण्ड	शिविर/ नीलामी तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	गौराभारी	482	0.372	1860	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
2	भगवानपुर खादर	272	0.291	1455	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
3	मोतीपुर सेमरी	319	1.173	5865	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
4	मोतीनगर	186	0.506	2530	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
5	मोतीनगर	314	0.267	1335	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
6	आदमतारा	37	0.522	2610	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
7	आदमतारा	1182	0.263	1315	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
8	सकल्दा	209	0.227	1135	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
9	सकल्दा	371	0.202	1010	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
10	सकल्दा	407	0.247	1235	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
11	सकल्दा	456मि	0.308	1540	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
12	सकल्दा	666मि	0.344	1720	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
13	अचकवापुर	26	0.421	2105	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
14	अचकवापुर	92	0.243	1215	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
15	धनखरपुर	193	0.271	1355	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
16	मजगवां	24	0.769	3845	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
17	नावडीह	355	0.532	2660	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
18	नेटहवा	192क	0.255	1275	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
19	सुगानगर डुमरी	822	0.518	2590	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
20	गोबरी	301	0.223	1115	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
21	रामनगर	1057	0.890	4450	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
22	बेमिहा	719	0.890	4450	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
23	मोतीपुर हड़हवा	162	0.210	1050	पचपेड़वा	05 फरवरी, 2026
24	शिवानगर	148	1.514	7570	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
25	परसिया कलां	510	0.344	1720	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
26	साहेबनगर	150	0.890	4450	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
27	लालनगर	624	1.898	9490	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
28	बरदहवा	928क	0.611	3055	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
29	लालपुर लैबुड्डी	272	0.595	2975	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
30	परसिया गौरी	434क	0.227	1135	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
31	परसिया गौरी	484	0.218	1090	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
32	लैबुड़वा	84	0.283	1415	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
33	लोहेपनिया	418क	0.271	1355	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
34	गुलरिहा	178	0.906	4530	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
35	सुदर्शनजोत	255	0.324	1620	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
36	पिपरहवा बिशुनपुर	1139	1.259	6295	तुलसीपुर	06 फरवरी, 2026
37	जैतापुर	338क	0.405	2025	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
38	मनकौरा कानूनगो	283	2.493	24930	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
39	पकड़ी	902	0.304	1520	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
40	पकड़ी	858	0.304	1520	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
41	महुवा (पिपरा)	299	0.380	1900	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
42	पड़रौना	102	0.522	2610	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
43	माधौडीह	144	1.121	5605	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
44	नौबस्ता कला	673	0.214	1070	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
45	नौबस्ता कला	689	0.405	2025	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
46	महुवा (पिपरा)	380	0.558	2790	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
47	चयपुरवा	391	1.129	5645	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026
48	गुलरिहा अहिरौली	86	0.235	1175	गैंसड़ी	06 फरवरी, 2026

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु पात्रता एवं शर्तें –

1. नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं शर्ते मा0 उच्च न्यायालय के निर्णय, शासनादेश संख्या 3736 दिनांक 17/10/1995 एवं उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता–2006(यथा संशोधित) तथा नियमावली 2016 में निहित प्राविधानों के अनुरूप किया जायेगा।
2. इच्छुक व्यक्तियों को अपने प्रार्थना पत्र के साथ नवीनतम जाति प्रमाण पत्र व आय प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र जो विज्ञापन की तिथि से 06 माह से अधिक पुराना न हो, लगाना अनिवार्य है। बिना संलग्नक प्रमाण पत्र के प्रार्थना पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।
3. यदि किसी एक ही तालाब के लिये एक ही वरीयता क्रम के एक से अधिक व्यक्ति इच्छुक हैं तो ऐसे तालाबों का आवंटन नीलामी बोली के माध्यम से किया जायेगा।
4. नीलामी समाप्त होने के बाद सर्वोच्च बोलीदाता/नीलामी ग्राहता को सर्वोच्च बोली धनराशि का 1/4 भाग की धनराशि तत्काल जमा करना होगा, तथा शेष 3/4 धनराशि नीलामी के 15 दिवस के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में नीलामी के समय जमा जमानत धनराशि जब्त करते हुये अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। नीलामी बोली की धनराशि ही वार्षिक भाटक के रूप में निर्धारित की जायेगी। नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति का पूर्ण आधिकार एवं अन्तिम निर्णय अद्योहस्ताक्षरी में निहित है।
5. पट्टे से सम्न्धित जानकारी तहसीलदार तुलसीपुर के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
6. मछुआ समुदाय के अतिरिक्त अन्य समस्त आवेदक को गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन सम्बन्धी अभिलेख प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
7. मत्स्य पालन तालाबों का पट्टा 0.200हे0 से 2.000हे0 तक व्यक्ति को तथा 2.000हे0 से अधिक क्षेत्रफल के तालाबों का पटटा मछुआ समुदाय की सहकारी समितियों, जो पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त हों, मत्स्य पालन पट्टा लेने हेतु प्रतिभाग कर सकती है।
8. मत्स्य जीवी सहकारी समितियां जो मत्स्य विभाग एव राजस्व विभाग (तीनों तहसील से) से बकाया न होने का अदेय प्रमाण पत्र तथा आडिट रिपोर्ट। बैलेन्स सीट आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. नीलामी की प्रक्रिया में बोली की पात्रता एवं शर्ते उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016, तहसील मुख्यालय एवं राजस्व परिषद की अधिकारिक वेबसाइट www.bor.up.nic.in पद पर उपलब्ध है।

(राकेश कुमार जयंत)
उपजिलाधिकारी
तुलसीपुर

UP – 244719 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

उन्नाव में महिला शिक्षामित्र की हत्या

असोहा थानाक्षेत्र के गोकुलपुर में घर में सोते समय हमलावर ने मारीं दो गोलियां

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: असोहा थानाक्षेत्र के गोकुलपुर गांव में घर में चारपाई पर सो रही महिला शिक्षामित्र की देररात गोली मारकर हत्या कर दी गई। दूसरी चारपाई पर सो रहे पति के मुताबिक गोली मारकर हमलावर छत के रास्ते भाग निकले। उसने दावा किया कि हमलावर ने पहले पोल से विद्युत केबल काटकर आपूर्ति बाधित की। सूचना पर पुलिस अफसरों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पति की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस को हत्या में किसी बेहद करीबी के शामिल होने का शक है।

गोकुलपुर गांव निवासी श्रीकांति (38) पत्नी ओमकार रावत गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र थी। बीती रात वह घर का मुख्य द्वार बंद कर चारपाई पर सो रही थी। पति के मुताबिक बेटी रिया व वह कमरे में अलग-अलग सो रहे थे। तभी रात करीब दो बजे गोली चलने की आवाज सुन उसकी नींद खुली तो पत्नी खून से लथपथ पड़ी थी और एक व्यक्ति जीने से चढ़कर जा रहा था। जिसे पकड़ने वह दौड़ा तो उसने एक फायर हवा में फायर किया जिससे वह रुक गया। तभी मौका पाकर हमलावर भाग निकला। शोर सुन आसपास रहने वाले परिजन पहुंचे और पीआरवी को सूचना दी। एसओ फूल सिंह व सीओ ने मौके पर पहुंचकर जांच की। एसपी जयप्रकाश सिंह ने घटना के संबंध में जानकारी ली है। फोरेंसिक टीम ने भी जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। घर का गेट बंद होने के बाद अंदर हत्याकर हमलावर के फरार होने की बात फिलहाल पुलिस के गले कम उतर रही है। पति ने किसी से रंजिश से इंकार किया। उसने बताया कि हमलावरों ने पहले घर के बाहर लगे पोल से आए विद्युत केबिल को काट दिया इससे घर में अंधेरा हो गया था। डॉ. प्रशांत कुमार व डॉ. ध्यानेंद्र सचान ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। इसमें महिला के दो गोली मारे जाने की बात सामने आई है। पुलिस को घटना में किसी बेहद करीबी के शामिल होने का शक है। वहीं कांति की मौत से परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। उसके दो बच्चों में बेटा रौनक अचलगंज के कोरारी कलां गांव निवासी मामा विनोद के यहां रहकर विद्यालय में 9वीं कक्षा में पढ़ रहा है।

पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद परिजन व इनसेट में श्रीकांति की फाइल फोटो।

ट्रक चालक की हत्या कर शव जलाने के दोषी को उम्रकैद

उन्नाव, अमृत विचार: लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर करीब 10 साल पहले ट्रक चालक की गला घोटकर हत्या कर शव उसी ट्रक में जलाने के दोषी खलासी को कोर्ट ने बुधवार को हुई अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए आजीवन करावास के आदेश दिए। साथ ही उस पर 35 हजार जुर्माना भी लगाया है।

प्रतापगढ़ जिला के थाना फतनपुर के कलीमुरादपुर गांव निवासी भानु प्रताप यादव ने सोहरामऊ पुलिस को तहरीर देकर अपने पिता ट्रक चालक भुल्लर उर्फ भोला नाथ यादव की संदिग्ध मौत की 9 अगस्त-2014 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि पिता भुल्लर ट्रक ड्राइवर थे। 2 अगस्त-2014 को पिता बनारस से ट्रक में सरिया लाद कर चले थे। 4 अगस्त 2014 को रायबरेली में सरिया अनलोड कर मोटर मालिक से बात हुई थी। 5 अगस्त 2014 को फोन पर मोटर मालिक साहीद के मोबाइल से उसे सूचना मिली कि जिस ट्रक को लेकर तुम्हारे पापा गये थे वह ट्रक लखनऊ-उन्नाव हाईवे पर गांव महुआरी जाने वाली रोड पर करीब 500 मीटर दूर थाना सोहरामऊ के पास खड़ी है। जिसमें आग लगी हुई है। यह सुनकर वह मौके पर जाने के लिये अपने चाचा वीरेन्द्र यादव व चचेरे भाई गुलाब सिंह यादव के साथ निकला। भानु प्रताप ने खलासी लालता निवासी कुडाखरा थाना सुल्तानपुर फतेहपुर पर पिता की हत्या कर शव जलाने व रुपये लूटने का आरोप लगा 9 अगस्त 2014 को थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने खलासी लालता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया रुपया बरामद किया। विवेचक ने आरोपी खलासी लालता के विरुद्ध 26 नवंबर 2015 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी।

आरडीएसओ के केवि में मना गणतंत्र दिवस

देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। • अमृत विचार

लखनऊ, अमृत विचार : आरडीएसओ के केंद्रीय विद्यालय इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य राजेश शक्ला द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। छात्रों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों में देशप्रेम का संचार किया।

सेंट मेरी इंटर कॉलेज में शान से फहराया तिरंगा

सेंट मेरी इंटर कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान मौजूद कैडेट। • अमृत विचार

लखनऊ, अमृत विचार : आरडीएसओ के सेंटमेरी इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य सिस्टर मरीना द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

सैदापुर से निकली द्वितीय विशाल तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा में मौजूद युवा। • अमृत विचार

माल (लखनऊ), अमृत विचार : सैदापुर में गणतंत्र दिवस पर द्वितीय बाइक तिरंगा यात्रा निकाली गयी। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र कुमार गौतम के नेतृत्व में निकाली गई रैली विभिन्न गांवों और मार्गों से गुजरी।

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

माल (लखनऊ), अमृत विचार : जेएमएस पब्लिक स्कूल में संचालक नेकपाल यादव ने ध्वजारोहण किया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति कार्यक्रम पेश किये। मेधावियों को मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष विजय कुमार मौर्य व संचालक नेकपाल यादव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल संचालक नेकपाल यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को फहराया एवं सलामी दी।

कार्यक्रम में मौजूद विशिष्टजन।

आत्महत्या करने वाली छात्रा से दुष्कर्म का आरोप

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार Follow UP

• पोस्टमार्टम के दौरान फॉरेंसिक जांच के लिए एकत्र किए गए नमूने

अमृत विचार। कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ था। परिजनों के इस आरोप के बाद पुलिस ने फॉरेंसिक जांच की सिफारिश की थी। उसी के चलते पोस्टमार्टम के दौरान छात्रा की उंगलियों के नाखून, वजाइना स्वैब, वजाइना स्लाइड, माउथ स्वैब के सैंपल लिए गए, जिन्हे फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

पिहानी कोतवाली के एक गांव की मदरसे में पढ़ने वाली छात्रा ने सोमवार की देर रात कमरा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पिता का आरोप था कि सोमवार की रात पड़ोस का युवक दीवार फांद कर उसके घर घुसा और बहाने से उसकी बेटी को मकान के पीछे तालाब के किनारे ले गया। उसी बीच उसकी आंख खुल गई और उसने मकान के पीछे जाकर युवक को बेटी के साथ गलत हरकत करते हुए पकड़ लिया था।

शोर होने पर युवक का भाई अपने साथ चाचा को लेकर मौके पर पहुंचा और पुलिस के सामने मुंह खोलने पर धमकी दी। उसी से डरी-सहमी छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। फिलहाल लखनऊ से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में सारी सच्चाई सामने जाएगी।

गांजा तस्करी में तीन को 10 साल की सजा

सुलतानपुर, अमृत विचार: चांदा चौराहे के पास चार साल पूर्व 95 किलोग्राम गांजे की अंतरजनपदीय तस्करी के मामले में बुधवार को एडीजे चतुर्थ जलाल मोहम्मद अकबर की अदालत ने तीन दोषियों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए जेल भेज दिया। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक एनसीबी मिथिलेश सिंह ने बताया कि 13 फरवरी 2021 को जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर, एनसीबी लखनऊ ने चांदा चौराहे पर दो वाहनों की तलाशी के दौरान 95 किलो अवैध गांजा बरामद किया था। इस दौरान प्रतापगढ़ के रशीद कुरैशी, जौनपुर के राजकुमार गुप्ता तथा कादीपुर क्षेत्र के तुलसीनगर निवासी मोहम्मद शम्शाद को गिरफ्तार किया गया था।

अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहकर विश्वगुरु बनेगा भारतःचंपत राय

बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत बुधवार को महर्षि नगर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयंसेवकों ने स्वदेश प्रेम के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

उन्होंने कहा कि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहकर भारत विश्वगुरु बनेगा। यदि हम अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भूले तो सनातन कमजोर हो जाएगा। उन्होंने लोगों से अपनी जड़ों की ओर लौटने और गौरवशाली सनातन संस्कृति को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जड़ों को मजबूत रखना है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी धरोहर को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़ना है। भारत को नुकसान पहुंचाने वाली शक्तियां कभी भारत माता की संतान कहे जाने का हक नहीं रखती। उन्होंने कहा कि हिंदू जनमानस को संगठित होकर देश के विकास में भागीदारी करनी होगी। यदि हम संगठित हो जाएं तो भारत फिर से सोने की चिड़िया कहलाएगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर हिंदू समाज के सदियों के संघर्ष, अटूट आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन ने जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त कर समाज को एकजुट करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। विशिष्ट अतिथि स्वामी चेतनानंद एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता योगेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।

हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय।

न्यूज ब्रीफ

फंदे से लटका मिला किसान का शव

सिद्धार्थनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के अशरफपुर केवटहिया गांव के बाग में बुधवार को किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। अशरफपुर केवटहिया गांव निवासी राम बली (40) खेती-बाड़ी का काम करता था। वह लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था। परिजनों के मुताबिक बीती रात वह बिना किसी को सूचना दिए घर से चला गया था। बुधवार की सुबह करीब 5 बजे गांव के ही बाग में उसका शव लटकता मिला। रामबली के चार बच्चे हैं, जिनमें एक की तबियत कुछ दिनों से ठीक नहीं रहती थी। बच्चे की बीमारी और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर वह काफी समय से मानसिक दबाव में था। एसओ दुधारा अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सुरक्षा के साथ अपराधियों को पकड़ रही रेलवे पुलिस

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 24 जनवरी, 2026 को चौकाघाट वाराणसी स्थित जी.टी. रोड के बाई तरफ कबाड़ की दुकान से 02 शातिर अपराधी को चोरी की रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। 26 जनवरी को गाड़ी सं0 14012 में महिला यात्री को प्रसव पीड़ा होने पर उसे जिला चिकित्सालय, सीतापुर भेजा गया। 27 जनवरी को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म पर बीमार व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के उपरान्त जिला चिकित्सालय बलिया में भर्ती कराया गया। 26 जनवरी को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12565 में 13 वर्ष की लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया।

उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ा प्रदेश : योगी

मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर महोत्सव का उद्घाटन कर विभागों के स्टॉलों का किया अवलोकन

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

महोत्सव का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सांसद जगदंबिका पाल व मंत्री अनिल राजभर। अमृत विचार

अमृत विचार। कपिलवस्तु महोत्सव के पहले दिन मानसून खराब होते हुए भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फीता काटकर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री श्रमसेवायोजन एवं समन्वय विभाग जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, भाजपा जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान तथा नेता प्रतिपक्ष/विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय मौजूद रहे।

उक्त अवसर पर स्वागत गीत, शिवपति इन्टर कालेज की छात्राओ द्वारा कपिलवस्तु गीत प्रस्तुत किया गया। सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने मैत्री का सन्देश देने वाले महात्मा गौतम बुद्ध की पावन धरा को नमन करते हुए जनपदवासियों एवं जनप्रतिनिधियों को बधाई दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की आकस्मिक मृत्यु पर उनको श्रद्धांजलि दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनपद राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर सिद्धार्थनगर बना। कपिलवस्तु उनकी राजधानी थी। सत्य व ज्ञान की खोज में गया जाकर साधना की। ज्ञान प्राप्त होने के बाद पहला उपदेश सारनाथ में दिया। कहा कि 1052 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात आज जनपदवासियों को प्राप्त हो रही है। यहां का अन्नदाता किसानो को फसलों के लिए पानी की आवश्यकता होती है। आज बारिश भी अन्नददाता किसानों के लिए अमृत के समान है। बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ की जनता को परिवार मानकर उनके विकास के लिए बजट उपलब्ध कराया जाता है। जनपद के लोगों के इलाज के लिए मेडिकल कालेज का निर्माण कराया गया। नर्सिंग कालेज का संचालन हो रहा है। मेडिकल छात्रावास व आडीटोरियम निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया है। हर पात्र गरीब व्यक्ति को आवास, राशन, आयुष्मान कार्ड, का लाभ मिल रहा है। मनरेगा में पहले 100 दिन का रोजगार की गारन्टी थी अब 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। रोजगार नहीं मिलने पर मुआबजा उपलब्ध कराया जायेगा। उच्छे कलाकारों को जनपद स्तर पर प्रतिभाग कराकर उनको सम्मानित किया जाये। सड़क पुल, सिंचाई, मेडिकल छात्रावास व अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। उपद्रव से उत्सव की ओर यह प्रदेश अग्रसारित है। उसको बनाये रखना है।

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की समस्या, समाधान पर विमर्श

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

प्रोफेसर शक्ति जायसवाल।

अमृत विचार। 30 व 31 जनवरी 2026, भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से बुद्ध विद्या पीठ पी जी कॉलेज, के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के आयोजक प्रोफेसर शक्ति जायसवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम चंद्रावती नर्सिंग कॉलेज, गोरखपुर रोड, सिद्धार्थनगर पर आयोजित होगा।

जिसमें दिनांक 30 जनवरी, प्रातः 11:00 बजे उद्घाटन सत्र में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि रमेश चंद शुक्ला मुख्य वक्ता रहेंगे। इसके साथ ही विदेश मामलों के जानकारी रक्षा विशेषज्ञ डॉ संजीव श्रीवास्तव, कमर आगा (बीबीसी), एवं भारतीय वैश्विक परिषद के शोध अध्येता डॉक्टर पुनीत गौड़ के बौद्धिक वक्तव्य प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरजीत रहेंगे। 31 जनवरी, दिन शनिवार को समापन सत्र में अपराह्न 2:30 बजे भारत के पूर्व राजदूत जीके त्रिपाठी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक विभाग के प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा, प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह, के साथ ही प्रोफेसर हरि शरण पूर्व प्रति कुलपति गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी जी अपना वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे।

कबीर की नगरी में गूंजे जलोटा के सुर

भजन संध्या में प्रस्तुति देते अनूप जलोटा।

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मगहर महोत्सव -2026 की पहली रात आयोजित भजन संध्या में पद्मश्री व अंतर्राष्ट्रीय भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपने सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम में उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से सद्गुरु कबीर के सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसका उपस्थित जनसमूह ने भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि धनघटा विधायक गणेश चंद्र चौहान का एसडीएम न्यायिक एवं महोत्सव समिति द्वारा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक गणेश चंद्र चौहान ने कहा कि यदि कबीर के उपदेशों को जीवन में उतार लिया जाए तो जीवन धन्य हो सकता है। उन्होंने धर्म, जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर मानवता का पाठ पढ़ाया। भजन संध्या की शुरुआत अनूप जलोटा ने अपने प्रिय भजन "ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन" से की, जिसे सुनकर श्रोता भक्ति भाव में झूम उठे। इसके बाद उन्होंने "राम नारायणं, जानकी सुंदरम", "मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे", "राम आएंगे", "कौन कहता है भगवान सोते नहीं", "इतनी शक्ति हमें देना दाता", "चदरिया झीनी रे झीनी" और "मन में राम, तन में राम" जैसे भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में उन्होंने ग़ज़लों की प्रस्तुति देकर माहौल में नया रंग भर दिया। "तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो", "मन लागो या फकीरी में" और "चिट्ठी आई है" जैसी ग़ज़लों पर श्रोता देर तक तालियां बजाते रहे।

मगहर में शुरू हुआ छह दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव

संवाददाता, संतकबीरनगर

मगहर स्थित कबीर चौरा परिसर में आयोजित मगहर महोत्सव 2026 का फीता काट कर उद्घाटन करते डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप कुमार मीना व अन्य लोग।

अमृत विचार। कबीर नगरी मगहर में बुधवार से आगामी छह दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। महोत्सव के दौरान 28 जनवरी से 2 फरवरी तक विभिन्न सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं लोक कलाओं के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि डीएम आलोक कुमार ने फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। वहीं, संत कबीर की समाधि और मजार पर एक साथ धार्मिक सौहार्द की झलक भी दिखाई दी। इस दौरान डीएम ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया।

उद्घाटन से पूर्व जिलाधिकारी ने कबीर चौरा परिसर पहुंचकर सद्गुरु कबीर की समाधि एवं मजार पर मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने कबीर की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने पंडाल पहुंचकर फीता काटने के उपरांत चेयरमैन प्रतिनिधि नूरुज्जमा अंसारी, अवधेश सिंह एवं संत डॉ. हरिशरण शास्त्री के साथ कबीर की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। डीएम ने कहा कि संत कबीर की जीवनी और उनके उपदेश मानव को अच्छे जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। करुणा, दया, प्रेम और अहिंसा के उनके संदेश आज भी प्रासंगिक हैं, जिन्हें आत्मसात करने की आवश्यकता है।

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

मगहर महोत्सव 2026 के उद्घाटन अवसर पर बुधवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उद्घाटन सत्र में कला, संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और योग का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ कम्पोजिट विद्यालय बकहा के बच्चों द्वारा भावपूर्ण सरस्वती वंदना से हुआ। राजकीय पीएम श्री बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पीएम श्री बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रभक्ति गीत "विश्व प्रेम की ओढ़ चदरिया" ने खूब तालियां बटोरीं।

सौर ऊर्जा से की 1.71 करोड़ की बचत

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुये ऊर्जा के गैर पारम्परिक स्रोत सौर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने के लिये व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। रेलवे के कार्यालय भवनों, विश्रामगृह, स्टेशनों, समपारों आदि पर सोलर पैनल लगाये जा रहे हैं तथा विद्युत बचत हेतु स्टार रेटेड विद्युत उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे पर रूफ टॉफ सोलर पैनल की कुल क्षमता दिसम्बर, 2025 तक 8.22 मेगावॉट पावर हो गयी है। अप्रैल से दिसम्बर,2025 तक सोलर पैनल से कुल 47.31 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 1.71 करोड़ रुपये रेल राजस्व की बचत हुई। ऊर्जा संरक्षण की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा अनेक कार्य किये गये हैं। इस रेलवे पर 22.17 मेगावॉट पावर क्षमता का रूफ टॉप सोलर पैनल विभिन्न स्टेशनों, सर्विस बिल्डिंग, रेलवे क्वार्टरों एवं समपारों पर लगाये जाने का कार्य स्वीकृत है, जिसमें 2024-25 एवं 2025-26 में दिसम्बर,2025 तक पूर्वोत्तर रेलवे पर 2.557 मेगावॉट पावर क्षमता के रूफ टॉप सोलर पैनल कमीशन किये जा चुके हैं तथा 19.613 मेगावॉट पावर क्षमता का सोलर पैनल लगाने को स्वीकृति प्रदान की गई हैं।

गणतंत्र दिवस पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

गोरखपुर, अमृत विचार। मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना डॉ0 सुनील कुमार शर्मा ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2026 को यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीज ध्वज फहराया तथा कारखाना कर्मियों एवं उनके परिवारजन को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दीं। इसके उपरान्त यांत्रिक कारखाना कला समिति द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने रेल राजस्व में वृद्धि पर दिया जोर

गोरखपुर, अमृत विचार। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक की अध्यक्षता में यात्री एवं माल यातायात तथा आय में वृद्धि पर समीक्षा बैठक बुधवार को वाणिज्य विभाग के सभाकक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में तीनों मंडलो के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक एवं मुख्यालय के वाणिज्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में 'यात्री यातायात एवं आय में वृद्धि, मालभाड़ा यातायात में वृद्धि, मालगोदामों में सुधार एवं उन्नयन, एन.एफ.आर. पालिसी के अन्तर्गत स्थानीय व्यापारियों से समन्वय कर विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत रेल राजस्व में वृद्धि' पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उन्होनें लखनऊ मण्डल एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय के टिकट चेकिंग संवर्ग के एक-एक कर्मचारी को उनके उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुरस्कृत कर सम्मानित किया। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक पी.सी.जायसवाल ने रेल यात्रियों को अनारक्षित टिकट की सुलभ प्राप्ति हेतु रेल वन ऐप, ए.टी.वी.एम. की संख्या बढ़ाने तथा मोबाइल टिकटिंग मशीन का प्रावधान करने हेतु मण्डलों को निर्देशित किया।

महाप्रबंधक ने तीन रेलवे कर्मियों को दिया 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

रेलवे कर्मियों को पुरस्कृत करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने संरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 03 कर्मचारियों को बुधवार को महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं में लखनऊ मण्डल के बढ़नी सवारी माल डिब्बा डिपो में वरिष्ठ तकनीशियन के पद पर कार्यरत बालकृष्ण भारती, वाराणसी मण्डल के शाहगंज स्टेशन पर टैक मेंटेनर के पद पर कार्यरत बबलू कुमार और इज्जतनगर मण्डल के मन्धना स्टेशन पर इलेक्ट्रिक सिगनल मेंटेनर के पद पर कार्यरत देवानन्द कुशवाहा शामिल रहे। इन रेल कर्मचारियों की तत्परता, सूझबूझ एवं कार्य के प्रति समर्पण के कारण रेल संरक्षा प्रभावित होने से बचाई जा सकीऔर दुर्घटनाएं रोकी जा सकीं, जिसके लिये इन्हें महाप्रबन्धक ने नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मानदेय न मिलने पर शिक्षामित्रों ने दी आन्दोलन की चेतावनी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर अमृत विचार। शिक्षा मित्रों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। पिछले कई महीनों से मानदेय न मिलने के कारण नाराज शिक्षामित्रों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। आदर्श समायोजित शिक्षक/शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द अमल नहीं हुआ, तो वे धरना-प्रदर्शन के लिए विवश होंगे। वहीं शिक्षामित्रों का आरोप है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने 22 अक्टूबर 2024 को एक स्पष्ट आदेश जारी किया था। इस आदेश के मुताबिक प्रत्येक माह की 23 तारीख तक मानदेय का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाना था। लेकिन हकीकत इसके विपरित है। महीनों बीत जाने के बाद भी बैंक खातों में राशि नहीं पहुंची है, जिससे शिक्षामित्रों के सामने गम्भीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जिसके क्रम में आदर्श समायोजित शिक्षक/शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन की ब्लॉक इकाई बढ़नी' के प्रतिनिधि मण्डल ने खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी दर्ज कराई। शिक्षामित्रों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि भुगतान प्रणाली में सुधार नहीं हुआ, तो वे बीईओ कार्यालयों का घेराव करेंगे।

एक से अधिक मामलों में जमानतदार बनने पर कोई कानूनी रोक नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किसी एक व्यक्ति द्वारा कई मामलों में जमानतदार बनने के संबंध में स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति की संपत्ति का मूल्य कुल जमानती राशि से अधिक है और न्यायालय उसकी क्षमता व उपयुक्तता से संतुष्ट है, तो वह एक से अधिक अभियुक्तों अथवा अलग-अलग मामलों में जमानतदार बन सकता है। कानून में इस पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने कुशीनगर जिले के थाना कसया क्षेत्र से जुड़े मामले में आरोपी जगरूप की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याची के खिलाफ बीएनएस, 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज था और वह ट्रायल के दौरान जमानत पर रिहाई की मांग कर रहा था। मामले के तथ्यों के अनुसार याची ने विभिन्न मामलों में अभियुक्तों की ओर से जमानतदार के रूप में कार्य किया था। राज्य की ओर से आपत्ति उठाई गई कि याची एक से अधिक मामलों में जमानतदार नहीं बन सकता और उसने निचली अदालत में यह घोषणा करते हुए शपथपत्र दिया था कि उसने किसी अन्य मामले में जमानत नहीं दी है। हालांकि जांच में यह सामने आया कि याची की संपत्ति का मूल्य लगभग 18.70 लाख रुपये है। अब कोर्ट के समक्ष यह मुख्य विधिक प्रश्न था कि क्या कोई व्यक्ति एक से अधिक अभियुक्तों या मामलों में जमानतदार बन सकता है? उक्त प्रश्न पर विचार करते हुए कोर्ट ने बीएनएसएस की धारा 485 और 486 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 441 और 441ए) का विश्लेषण करते हुए कहा कि ये प्रावधान जमानतदार पर यह प्रतिबंध नहीं लगाते कि वह केवल एक ही मामले में जमानत दे सकता है।

चेक बाउंस में पेयी या विधिक धारक ही शिकायत दर्ज करा सकता है

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चेक बाउंस होने की स्थिति में शिकायतकर्ता को लेकर स्पष्ट किया कि परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत चेक बाउंस की शिकायत केवल प्राप्तकर्ता या धारक ही दर्ज कर सकता है। किसी तीसरे व्यक्ति अथवा ऐसा पक्ष, जिसके नाम चेक जारी नहीं हुआ है, शिकायत दर्ज करने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने राजेश कुकरेजा की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए दिया, साथ ही कानपुर नगर के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित समन आदेश को निरस्त कर दिया। मामले के तथ्यों के अनुसार वर्ष 2012 में मैसर्स कृष्णा होटल्स एंड डेवलपर्स की ओर से उसकी भागीदार सरोज दूबे द्वारा राजेश कुकरेजा के खिलाफ चेक बाउंस की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत जिन चेकों पर आधारित थी, वे सभी होटल पैराडाइज के नाम जारी किए गए थे, जबकि शिकायत कृष्णा होटल्स एंड डेवलपर्स के नाम से दाखिल की गई थी। प्रारंभ में ट्रायल कोर्ट ने स्वयं इस विसंगति पर प्रश्न उठाया था कि शिकायतकर्ता वही इकाई नहीं है, जिसके पक्ष में चेक जारी हुए थे। इसके बावजूद बाद में यह मानते हुए कि होटल पैराडाइज, कृष्णा होटल्स की एक इकाई है, मजिस्ट्रेट ने आरोपी को एनआई एक्ट की धारा 138 के तहत तलब कर लिया। कोर्ट ने एनआई एक्ट की धारा 142, 7 और 9 का विश्लेषण कर पाया कि चेक बाउंस की शिकायत केवल वही व्यक्ति कर सकता है, जो चेक का पेयी हो या विधिक रूप से उसका धारक (होल्डर इन ड्यू कोर्स) हो। कोई तीसरा पक्ष, भले ही वह लेनदेन से अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हो, अपने नाम से ऐसी शिकायत दाखिल नहीं कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकृत प्रतिनिधि, पावर ऑफ अटॉर्नी धारक या कंपनी का अधिकारी शिकायत दाखिल कर सकता है, लेकिन फिर भी शिकायत में नाम पेयी या विधिक धारक का ही होना चाहिए, न कि प्रतिनिधि का। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान मामले में शिकायतकर्ता का कोई विधिक अधिकार नहीं था।

विरोध प्रदर्शन | राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा, बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

यूजीसी के नए नियमों को बताया 'काला कानून'

संवाददाता, संतकबीरनगर

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद एडीएम वित्त जयप्रकाश को ज्ञापन देते सवर्ण समाज के लोग।

अमृत विचार। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में बुधवार को कलेक्ट्रेट और मेंहदावल में सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इन नियमों को 'काला कानून' करार देते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। इस दौरान उन्होंने पैदल मार्च भी किया।

हजारों की संख्या में सवर्ण समाज के लोग रोडवेज परिसर में एकत्र हुए, जहां से हाथों में तख्तियां लेकर तहसील कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। 'केंद्र सरकार मुर्दाबाद', 'यूजीसी कानून वापस लो', 'मोदी-योगी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारों से क्षेत्र गूंज उठा। प्रदर्शनकारी तहसील कार्यालय पहुंचे और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी (एसडीएम) संजीव राय को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी के नए नियमों को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए सूरज त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सरकार सवर्ण समाज के साथ लगातार भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है। अनुराग त्रिपाठी ने यूजीसी के नियमों को दोषियों को सजा देने के बजाय जातिगत आधार पर तैयार किया गया 'काला कानून' बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। वहीं संगम पांडेय ने कहा कि यूजीसी के माध्यम से जाति विशेष को अपराधी के रूप में दर्शाने की कोशिश की जा रही है।

चंदहर प्रधान पर फर्जी भुगतान का आरोप, डीएम से शिकायत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। विकास खंड खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत चंदहर के ककरही निवासी धर्मेंद्र ने ग्राम प्रधान एवं उसके पुत्र पर विकास कार्यों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शपथ पत्र सौंपा है। उन्होंने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता धर्मेंद्र का आरोप है कि वर्ष 2023 से 5 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत में बिना कार्य कराए ही फर्जी तरीके से कूटरचित अभिलेख तैयार कर भुगतान कराया गया। आरोप है कि ग्राम प्रधान व उसके पुत्र ने ग्राम पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, अवर अभियंता सहित अन्य कर्मचारियों से मिलीभगत कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया, जिससे देश व प्रदेश की छवि धूमिल हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नामित कार्य स्थलों पर जाकर वास्तविक कार्य किए बिना फोटो का फोटो खींचकर फर्जी तरीके से पोर्टल पर अपलोड किया गया और उपस्थिति दर्ज कराई गई। इसके अलावा मानकविहीन कार्य कराकर धन का दुरुपयोग किया गया। मस्टर रोल में फर्जी अंगूठा निशान व हस्ताक्षर किए जाने तथा फर्जी लाभार्थियों के खातों में धन भेजकर उसे निकाल लेने के आरोप भी लगाए गए हैं।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate
गोल्ड लोन नीलामी सूचना

क्षेत्रीय कार्यालय: प्लॉट संख्या 4038 एम, एन.सी.सी. कार्यालय के सामने, सिविल लाइंस अयोध्या-224001

गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की बिक्री हेतु नीलामी सूचना

नीलामी की तिथि: 13.02.2026, समय सुबह 11.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक, स्थान: केनरा बैंक बस्ती-II, निकट कटेश्वर पार्क, गांधी नगर, बस्ती

निम्नलिखित व्यक्तियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वे ऋण खातों में बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं। पंजीकृत डाक द्वारा उन्हें भेजे गए नोटिस, बैंक को बिना सुपुर्द किए वापस आ गए हैं। अतः उनसे अनुरोध है कि वे **12.02.2026** तक या उससे पहले बकाया राशि और अन्य शुल्कों का भुगतान कर दें तथा गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को छुड़ा लें। ऐसा न करने पर, बैंक द्वारा उक्त प्रतिभूतियों को **13.02.2026** को **सुबह 11.00 बजे** से बैंक परिसर में या उसके बाद किसी अन्य सुविधाजनक तिथि पर, बिना किसी अतिरिक्त सूचना के, बैंक के पूर्ण विवेक पर, उधारकर्ता की कीमत पर सार्वजनिक नीलामी में बेच दिया जाएगा।

क्र. सं.	लोन की तिथि	लोन सं0	ऋणी का नाम व पता
1.	09.11.2022	180125363513	संतोष कुमार पुत्र रामधनी, ग्राम- भैसाहीजोट कलां, पोस्ट- लुटाही, जिला- बस्ती, उत्तर प्रदेश 272172

नोट: बकाया राशि में गोल्ड लोन के साथ-साथ किसी भी अन्य ऋण/क्रेडिट सुविधा के तहत पार्टी की सभी देनदारियां शामिल होनी चाहिए। नीलामी उपरोक्त शाखा में ऑफ़लाइन/खुली बोली के माध्यम से की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **केनरा बैंक बस्ती-II शाखा, श्री गजेन्द्र कुमार प्रजापति (वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक), मोबाईल नं0: 8005488795** एवं ई-मेल: **cb18637@canarabank.com** पर संपर्क करें।

दिनांक: 29.01.2026 स्थान: बस्ती प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

राहुल गांधी को बड़ी राहत, याचिका खारिज

लखनऊ, विधि संवाददाता। राहुल गांधी के विरुद्ध दोहरी नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग वाली अर्जी को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने खारिज कर दिया है। अदालत के समक्ष कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने और मामले में उनके विरुद्ध विस्तार से जांच की मांग करते हुए, एक अर्जी रायबरेली की अदालत में दाखिल की थी। याचिका में राहुल गांधी पर कई आरोप लगाए गए हैं। अदालत में दाखिल अर्जी के अनुसार यह अर्जी रायबरेली की विशेष सांसद/विधायक अदालत (एमपी एमएलए कोर्ट) में दायर की गई थी। इस अर्जी को बाद में शिकायतकर्ता की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने रायबरेली से लखनऊ की विशेष अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था।

चलती बस से सिर बाहर निकालते ही मिली मौत

अन्नामपल्ली। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में बुधवार को एक कॉलेज छात्र की मौत उस समय हो गई, जब बस की खिड़की से थूकने के लिए सिर बाहर निकालते समय एक लोहे की छड़ उसके सिर पर लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना तब घटी जब छात्र आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में लक्ष्मीदेवी लंका गांव से अमलापुरम जा रहा था। पुलिस ने बताया कि लड़के ने कथित तौर पर थूकने के लिए खिड़की से अपना सिर बाहर निकाला और उसका सिर एक लोहे की छड़ से टकरा गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

केरल के विधायक को बलात्कार मामले में बेल

पतनमतिट्टा। केरल में पतनमतिट्टा के सत्र न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को बलात्कार मामले में जमानत दे दी। ममकूटाथिल के खिलाफ बलात्कार का तीसरा मामला दर्ज हुआ था। अदालत ने कुछ डिजिटल सबूतों की असलियत पर अभियोग पक्ष की आपत्तियों और सुनवाई के दौरान सामने आए मुद्दों के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके बाद जमानत मंजूर कर ली।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खुलकर उतरे कलराज मिश्रा

कहा- ये नियम समाज को बांटने वाले, इनसे शिक्षा जगत में फैलेगा असंतोष

नोएडा/लखनऊ, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ देश भर में फैले असंतोष के बीच राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्रा भी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ये नियम समाज को बांटने वाले हैं और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा।

नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना का हनन करते हैं और यह एक जाति आधारित, एकतरफा कानून है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कलराज मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियम समाज को बांटने वाला है और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा। उन्होंने मांग की कि या तो इन नियमों में व्यापक बदलाव किए जाएं या फिर इन्हें तत्काल प्रभाव से पूरी तरह वापस लिया जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, ये नियमों में साफ नहीं है। बिना जवाबदेही तय किए ऐसे प्रावधान करना गंभीर चिंता का विषय है।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि शिकायत निवारण समिति में सभी वर्गों का समान और संतुलित प्रतिनिधित्व होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे और न्याय सुनिश्चित हो सके। कलराज मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक या सामाजिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए। नियम ऐसे हों जो सभी के लिए समान हों और संविधान के अनुरूप हों।

मायावती ने कहा- विरोध उचित नहीं

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।

नई दिल्ली

रायबरेली में वकीलों का प्रदर्शन, नहीं किया काम

रायबरेली में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया, न्यायिक कार्य से विरत रहे और पैदल मार्च कर अपना विरोध दर्ज कराया, साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की ओर से प्रस्ताव पारित कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कौशांबी में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, मार्च निकाला

कौशांबी में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन डीएम को दिया। उन्होंने नए नियमों को सवर्णों के हित के खिलाफ काला कानून बताया। कहा- ये नियम आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप साबित होंगे।

देवरिया में उमड़ा जनसैलाब, जमकर नारेबाजी

देवरिया में बुधवार को हजारों लोगों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रर्दशन किया और कचहरी के पास रोड पर धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोग सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया।

केजीएमयू में डॉक्टरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बुधवार को यूजीसी के नए नियम के विरोध में शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कुलपति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि यह नीति कैंपस में समानता बढ़ाने के बजाय जाति आधारित असमानता को बढ़ावा दे सकती है। प्रदर्शन में शामिल डॉ. समीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल से यह संदेश जाता है कि सामान्य वर्ग का व्यक्ति अत्याचार करेगा ही करेगा। इसमें सभी वर्गों के लिए समान न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों को साथ लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा कि यह कानून पूर्व प्रस्तावित कम्युनल वायलेंस बिल जैसा प्रतीत होता है, जिसमें सामान्य वर्ग के व्यक्ति को नैसर्गिक न्याय का अधिकार नहीं मिलता। डॉ. नवनीत चौहान ने इसे विधि और तर्क के विपरीत बताते हुए कहा कि इसमें सामान्य वर्ग को ही दोषी मान लिया गया है, इसलिए यह कानून वापस होना चाहिए।

अखिल भारतीय संत समिति ने जताया विरोध, काशी में प्रदर्शन जारी

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी की नियमावली पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह हिंदू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। अखिल भारतीय संत समिति इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने कहा, जिस समानता के अधिकार की बात की जा रही है, उसे यूजीसी खुद नहीं फॉलो कर रही। छात्र जीवन में ही छात्रों के मन में जातिगत भावना इस कदर भर दी जाएगी, तो न्याय की आशा कैसे की जा सकती है, झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में उच्च जाति में जन्मे छात्रों में अपराधबोध पैदा किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए विमान हादसे की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता ने कहा- चाचा की पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे पवार
- ममता, खरगे, अखिलेश के साथ आठवले ने भी की जांच की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी मांग की कि यह जांच सुप्रीम कोर्टच की निगरानी में होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

ममता बनर्जी ने कहा, हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने घटना पर यह संकेत देते हुए भी सवाल उठाए कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे। ममता ने कहा, सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर वह सचमुच स्तब्ध रह गईं। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में कहा, जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है। सभी नेता विमान से जाते हैं, कॉरपोरेट के लोग भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए।

दांव पर लगा राकांपा का भविष्य

मुंबई। अजित पवार की मौत से न सिर्फ राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में खालीपन पैदा हो गया है, बल्कि राकांपा के भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। पार्टी के अस्तित्व और संस्थापक शरद पवार के साथ उसके भविष्य के समीकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार के निधन के बाद राकांपा में नेतृत्व का संकट गहरा सकता है, क्योंकि पार्टी में दूसरे नंबर का कोई स्पष्ट चेहरा नहीं है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शरद पवार का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राकांपा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के साथ फिर एकजुट हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल के महीनों में दोनों गुटों के बीच संबंधों में नरमी देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार की ओर वापस न चले जाएं। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय रही हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। राकांपा के पास एक लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे और दो राज्यसभा सदस्य-प्रफुल्ल पटेल तथा सुनेत्रा पवार हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में राकांपा (एसपी) के संभावित विलय को लेकर अटकलें तेज थीं।

- महाराष्ट्र में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा के पास 132, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 57 और राकांपा के पास 41 विधायक हैं।
- राकांपा के दोनों गुट पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जो अनौपचारिक विलय का संकेत है।

मौत हादसा ही है, इसमें राजनीति को न लाएं : शरद पवार

पुणे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परोक्ष रूप से झिड़की लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहे विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना एक हादसा था और इसे राजनीतिक रंग न दिया जाए। शरद पवार ने कहा कि अजित की मृत्यु महाराष्ट्र के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने एक मेहनती और कुशल नेता को खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है। उन्होंने कहा कि सभी चीजें हमारे हाथ में नहीं होतीं। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि कोलकाता से यह अफवाह फैली कि इस घटना में कुछ राजनीति हो सकती है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। इससे राजनीति का कोई लेना-देना नहीं है। यह एक दुर्घटना थी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसमें राजनीति को न घसीटें। बनर्जी ने अजित पवार की मौत की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की है और आरोप लगाया है कि अन्य सभी एजेंसियां पूरी तरह से अपनी शुचिता खो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तंत्रों के माध्यम से सच्चाई सामने नहीं आएगी, इसलिए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में की गई जांच ही विश्वसनीय होगी।

आवारा कुत्तों के मामले में राज्य सरकारें बना रहीं हवाई किले

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने बंध्याकरण के आदेशों का राज्यों द्वारा पालन नहीं करने पर जताई चिंता

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को आवारा कुत्तों के बंध्याकरण मामले में राज्य सरकारों की क्षमता बढ़ाने के निर्देशों का पालन नहीं करने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, वे सभी हवाई किले बना रहे हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने अपने पूर्व के निर्देशों के अनुपालन पर राज्यों की दलीलें सुनना शुरू किया। पीठ ने प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे कहानी सुनाने में लगे हुए हैं। इस मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने विभिन्न राज्यों द्वारा की गई पहल का सारांश प्रस्तुत करते हुए कमियों को उजागर किया।

उन्होंने बताया कि कुछ राज्यों ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुरूप कदम उठाए हैं, लेकिन पूर्ण अनुपालन के लिए अब भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। उन्होंने कहा कि सरकारों को पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) सुविधाओं को बढ़ाना होगा, आवारा कुत्तों के बंध्याकरण में तेजी लानी होगी, कुत्तों के आश्रय स्थल स्थापित करने होंगे, संस्थागत क्षेत्रों की बाड़बंदी करनी होगी और सड़कों व राजमार्गों से आवारा जानवरों को हटाना होगा। बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए अग्रवाल ने कहा कि वहां 34 एबीसी केंद्र हैं। उनके अनुसार वहां 20,648 कुत्तों का बंध्याकरण किया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने इसका विवरण नहीं दिया कि बंध्याकरण की दैनिक क्षमता कितनी है और यह आंकड़ा किस अवधि के लिए है। अग्रवाल ने कहा, राज्य को एबीसी केंद्रों का संपूर्ण ऑडिट करना चाहिए था।

अस्पष्ट बयान देने वाले राज्यों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

पीठ ने कहा कि राज्य अस्पष्ट बयान नहीं दे सकते। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम अस्पष्ट कथन देने वाले राज्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, झारखंड और गुजरात की दलीलें भी सुनीं और स्कूलों व अस्पतालों में आवारा पशुओं के प्रवेश को रोकने के लिए संस्थागत क्षेत्रों में बाड़ लगाने के निर्देशों का अनुपालन न होने पर टिप्पणी की। पीठ ने टिप्पणी की, हर सार्वजनिक इमारत के चारों ओर बाड़ लगाई जानी चाहिए, न केवल आवारा कुत्तों या अन्य जानवरों से बचाव के लिए बल्कि संपत्ति को चोरी से बचाने के लिए भी। उसने कहा कि राज्य केवल कहानी सुनाते रहे हैं और जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अग्रवाल ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना द्वारा उठाए गए कदमों का सारांश प्रस्तुत करेंगे।

बर्फबारी में भी चल रही रेल...

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में कटरा-श्रीनगर रेल खंड पर बर्फबारी के बीच चलती ट्रेन इस बात का संकेत दे रही है कि चाहे कुछ भी हो जाए देश की धड़कन (भारतीय रेल) चल रही है और अपनी ड्यूटी निभा रही है। ● एजेंसी

चंडीगढ़ के 26 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के 26 स्कूलों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद छात्रों और कर्मचारियों को एहतियातन बाहर निकाला गया और पुलिस ने गहन जांच की। पुलिस ने बताया कि सभी स्थानों की गहन तलाशी के बाद कहीं भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जा रही है।

चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने कहा कि 26 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद नियंत्रण कक्ष 112 को सतर्क किया गया और स्थानीय पुलिस, दमकल वाहन, एंबुलेंस तथा बम निरोधक दस्तों को संबंधित स्कूलों में भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये धमकी भरे ई-मेल एक ही ''जीमेल अकाउंट'' से स्कूलों को भेजे गए थे, जिनकी जांच चंडीगढ़ पुलिस की साइबर टीम कर रही है।

भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज/लखनऊ, एजेंसी

- कहा- लोग यहां शांति के लिए आते हैं, हम रिक्तता ले लौट रहे

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन की ओर से स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हुए। माघ मेले से प्रस्थान से पहले उन्होंने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी।

शंकराचार्य ने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना, अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। भीड़ का हवाला देते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अखिलेश ने कहा- ये बेहद अनिष्टकारी घटना

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को अत्यंत अनिष्टकारी घटना बताया। 'एक्स पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

यूजीसी बिल को चुनौती वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई, जिसमें यह दलील दी गई है कि नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा, सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

नाम जोड़ना-हटाना एसआईआर का हिस्सा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ना और हटाना निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण का हिस्सा है। न्यायालय ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली 19 याचिकाओं के एक समूह पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की। आधार कार्ड को पहचान के एक प्रमाण के रूप में स्वीकार किए जाने के मुद्दे पर शीर्ष अदालत ने कहा कि जालसाजी की आशंका मात्र 12 अंकों वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र को खारिज करने का आधार नहीं बन सकती। पासपोर्ट भी सार्वजनिक दायित्वों का निर्वहन करने वाली निजी एजेंसियों से जारी किए जाते हैं।

बीटिंग रिट्रीट

भव्यता के साथ परंपरागत तरीके से होगा गणतंत्र दिवस समारोह का समापन

मन मोह लेंगी वंदे भारत, आनंद मठ, अतुल्य भारत की धुन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के बैंड गुरुवार को यहां बीटिंग रिट्रीट समारोह में वंदे मातरम्, कदम कदम बढ़ाए जा, विजय भारत, सितारे हिंद और ब्रेव वारियर गीत सहित कई मधुर गीतों की धुनें प्रस्तुत करेंगे जो राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न भी होगा। यह भव्य समारोह परंपरागत रूप से हर साल गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक होता है। इस वर्ष, समारोह के लिए विजय चौक पर बैठने के स्थानों का नाम भारतीय वाद्ययंत्रों जैसे बांसुरी, डमरू, एकतारा, एसराज, मृदंगम, नगाड़ा, पखावज, संतूर, सारंगी, सरिंदा, सरोद, शहनाई, सितार, सुरबहार, तबला और वीणा के नाम पर रखा गया है। कर्तव्य पथ पर इस वर्ष आयोजित औपचारिक परेड और इससे संबंधित अन्य समारोहों का प्रमुख विषय राष्ट्र गीत ''वंदे मातरम्'' की डेढ़ सौवीं वर्षगांठ है। रस्मी परेड के निमंत्रण कार्डों पर गीत की 150वीं वर्षगांठ का लोगो, बंकिम चंद्र चटर्जी की एक छवि और वंदे मातरम का वाटरमार्क अंकित है।

बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए जारी किए गए निमंत्रण कार्डों पर भी लोगो और स्मृति चिन्ह अंकित हैं। इसके अलावा कि वंदे मातरम् के ध्येय वाक्य पर आधारित कार्यक्रमों के तहत 19 से 26 जनवरी तक कई शहरों में सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बैंड ने प्रस्तुतियां दीं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान प्रतिष्ठित विजय चौक मनमोहक भारतीय धुनों से गूंजने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य आमंत्रित अतिथियों सहित विशिष्ट दर्शकों के समक्ष मनमोहक धुनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करेंगे।

कदम कदम बढ़ाए जा...से कार्यक्रम की शुरूआत : समारोह का आरंभ सामूहिक बैंड द्वारा कदम कदम बढ़ाए जा की धुन से होगा, जिसके बाद पाइप और ड्रम बैंड द्वारा अतुल्य भारत, वीर सैनिक, मिली झूली, नृत्य सरिता, मरूनी और झेलम जैसी मधुर धुनें प्रस्तुत की जायेंगी। उसने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड विजय भारत, हथरोही, जय हो और वीर सिपाही की धुनें बजाएंगे। उसने कहा कि वायु सेना के बैंड द्वारा बजाई जाने वाली धुनों में ब्रेव वॉरियर, ट्वाइलाइट, अलर्ट और फ्लाइंग स्टार शामिल होंगी, जबकि नौसेना का बैंड नमस्ते, सागर पवन, मातृभूमि, तेजस्वी और जय भारती बजाएगा। इसके बाद सेना का बैंड विजयी भारत, आरंभ है, प्रचंड है, ऐ वतन, ऐ वतन, आनंद मठ, सुगम्य भारत और सितारे हिंद बजाएगा। अन्य बैंड भी प्रस्तुतियां देंगे।

समारोह के लिए इन इलाकों में यातायात रहेगा प्रतिबंधित

नई दिल्ली। नई दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार को बीटिंग रिट्रीट समारोह के मद्देनजर यातायात प्रतिबंधित रहेंगे। यातायात परामर्श के अनुसार दोपहर दो बजे से रात साढ़े नौ बजे तक विजय चौक और उसके आसपास राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और संसद भवन के आसपास प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। इस अवधि के दौरान विजय चौक सामान्य यातायात के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर से कृषि भवन गोल चक्कर तक रफी मार्ग पर तथा कृषि भवन गोल चक्कर से विजय चौक की ओर रायसीना रोड पर वाहन नहीं जाएंगे। दारा शिकोह रोड गोल चक्कर, कृष्ण मेनन मार्ग गोल चक्कर और सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर से विजय चौक की ओर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 29 जनवरी 2026

मानव अस्तित्व का रहस्य केवल जीवित रहने में नहीं, बल्कि जीने का कोई उद्देश्य खोजने में निहित है।

–फ्योदोर दोस्तोव्स्की, रूसी लेखक

अवसरों का द्वार

जब दुनिया संरक्षणवाद, टैरिफ़ युद्ध और आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनिश्चितता से जूझ रही हो, तब विश्व व्यापार के लगभग एक-तिहाई और वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का साथ आना स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। दो अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाली यह साझेदारी आर्थिक ही नहीं, भू-राजनीतिक समीकरणों पर भी असर करेगी। यह समझौता साफ संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों का टिकाऊ समाधान टकराव नहीं, सहयोग है। ऐसे समय में जब अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के तहत ऊंचे टैरिफ़ और 'अमेरिका फर्स्ट' की सोच ने पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को झकझोरा है, भारत-ईयू समझौता उस का संतुलित जवाब है। यह किसी के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि नियम-आधारित, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन में एक पहल है।

अमेरिका नाराज है, क्योंकि लंबे समय से अटका यह समझौता ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब वॉशिंगटन और ब्रुसेल्स के बीच व्यापारिक मतभेद उभरे, हालांकि इससे अमेरिका-यूरोप संबंध निर्णायक रूप से नहीं बिगड़ने वाले पर वॉशिंगटन का दबदबा कुछ कम होगा। यदि भारतीय निर्यात को यूरोप में व्यापक बाजार पहुंच मिलती है तो ट्रंप टैरिफ़ से हुए संभावित नुकसान की भरपाई इससे आंशिक रूप से संभव है। इस डील के बाद अब अमेरिका के साथ भी संतुलित और पारस्परिक हितों पर आधारित व्यापार समझौते की संभावना बढ़ती है। यूरोपीय संघ अमेरिकी बाजार का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता, पर वह विविधीकरण का एक मजबूत स्तंभ अवश्य बन सकता है। समझौता पंचवर्षीय परिवर्तनकारी एजेंडे के देखना ठीक है, क्योंकि यह केवल टैरिफ़ घटाने का मामला नहीं, बल्कि मानकों, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल व्यापार और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ढांचा है। यदि जीएसपी जैसी रियायतों की बहाली या समान प्रावधान शामिल होते हैं, तो वस्त्र, परिधान, चमड़ा, हस्तशिल्प, जूते और समुद्री उत्पादों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे परिधान उद्योग में चीन, बांग्लादेश और वियतनाम के साथ प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते हम गुणवत्ता और लागत दोनों में प्रतिस्पर्धी बनें। इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट और मशीनरी क्षेत्र को यूरोपीय तकनीक और मानकों से तालमेल का अवसर मिलेगा। सेवा क्षेत्र विशेषकर आईटी, फिनटेक और प्रोफेशनल सेवाएं को। यदि वीजा और मूवमेंट ऑफ प्रोफेशनल्स में लचीलापन मिलता है, तो भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। सेमीकंडक्टर तकनीक और हरित प्रौद्योगिकी में सहयोग भारत के औद्योगिक उन्नयन को गति दे सकता है।

रक्षा क्षेत्र में यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच और संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं निजी भारतीय कंपनियों के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों की कंपनियों द्वारा भारत में रक्षा कॉम्प्लेक्स स्थापित करने से 'मेक इन इंडिया' को बल मिल सकता है। साथ ही इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को भी गति मिलना स्वाभाविक है। इसके लागू होने में डेढ़ बरस लग सकते हैं, पर यह समझौता अवसरों का द्वार है।

प्रसंगवश

38 फीसद भारतीय वयस्क आयली स्नैक्स के आदी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN) और WHO के अनुसार, लगभग 38% भारतीय वयस्क नियमित रूप से तले हुए स्नैक्स का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग रोज़ाना फलों या सलाद जैसे स्वास्थ्यवर्धक आहार का सेवन करते हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अत्यधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन मोटापे को तेज़ी से बढ़ाता है। यही मोटापा आगे चलकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र, अवसाद और तनाव जैसी कई गंभीर बीमारियों की नींव बन जाता है। जंक फूड का अत्यधिक सेवन केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से एक गंभीर खतरा बन चुका है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हमारे समाज में तेज़ी से फैल रही है, वह है पॉलीसिस्टिक ओवरी डिज़ीज़ (PCOD)।

डॉ. सुहैल ख़ान
चिकित्सक

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, 38–88 प्रतिशत PCOD से पीड़ित महिलाएं अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होती हैं। यह स्पष्ट करता है कि जंक फूड, मोटापा और PCOD आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यह समस्या प्रजनन आयु (15–49 वर्ष) की महिलाओं में सबसे आम अंतःस्रावी विकारों में से एक बन चुकी है और इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना जा रहा है। अध्ययनों के अनुसार, विश्व-भर में प्रजनन आयु की 6–13 प्रतिशत महिलाएं PCOD से प्रभावित हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं PCOD से जूझ रही हैं। यानी हर पांच में से एक महिला इस समस्या से प्रभावित है।

PCOD में अंडाशय (ओवरी) में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं और हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। इसका मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान, विशेषकर जंक फूड का अधिक सेवन माना जाता है। जंक फूड में मौजूद अधिक शर्करा और अस्वस्थ वसा शरीर में इंसुलिन रेज़िस्टेंस पैदा करती हैं, जिससे हार्मोनल असंतुलन और पुरुष हार्मोन (एंड्रोजन) का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, मुंहासे, बालों का झड़ना और बांझपन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। PCOD से पीड़ित महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग का खतरा भी अधिक होता है।

पीसीओएस से पीड़ित रोगियों में थायरॉइड रोगों की घटना दर बढ़ जाती है। डेनमार्क में 2019 में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में थायरॉइड रोग होने का खतरा, पीसीओएस से मुक्त महिलाओं की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक होता है। PCOS से पीड़ित महिलाओं में सरल जीवनशैली में बदलाव करना, जैसे जंक फूड से बचाव, संतुलित आहार, खून में शुगर (ग्लूकोज़) का स्तर कम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना, उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और PCOS से जुड़ी जटिलताओं को कम कर सकता है।

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जबकि आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिज बहुत कम पाए जाते हैं। इनमें संतृप्त वसा ट्रांस फैट, अत्यधिक नमक, कोलेस्ट्रॉल और शर्करा (ग्लूकोज़) की अधिकता होती है। इनमें परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, अधिक सोडियम, कृत्रिम रंग और प्रिज़रवेटिव्स भी शामिल होते हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर, इंस्टेंट नूडल्स, बिस्कुट, कैंडी, आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज़, मीठे पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक्स), पैकेज्ड स्नैक्स, परिष्कृत अनाज और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं।

बजट: ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पहली फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी, यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी।

सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेंद्र बेबोरठा ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्ट्रियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे।

ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं।

दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइंस और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पॉवर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेंद्र बेबोरठा मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव्स आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण बचता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम।

बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे।

एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेंगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, R&D पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स।

इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी, लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे, तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए एक टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे, तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब पहलू फरवरी पर टिकी हैं।

आमने सामने

पाकिस्तान, बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हट सकता है। हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी, वही किया जाएगा। सरकार वर्ल्ड कप में न जाने को कहती है, तो हम उसका पालन करेंगे।

–मोहसिन नकवी
चेयरमैन
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

भारतीय टीम जिस तरह की बल्लेबाजी कर रही है, उसे देखकर कई टीमें डर सकती हैं। पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 रन बनाए, अब 10 ओवर में 150 रन। पाकिस्तान से कहना चाहता हूं, मत आओ। तुम्हारे चेयरमैन खुद यही संकेत दे रहे हैं।

–श्रीकांत
पूर्व भारतीय क्रिकेटर

प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा

अमित शर्मा
हल्द्वानी

पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मानवीय गतिविधियों से उपज रही आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पर्यावरण के दृष्टिगत विकास के मानक तय नहीं हैं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है, जिसका भयानक खामियाजा बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने, बाढ़ और सूखे के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बीते वर्षों में आ चुकी कई बड़ी आपदाओं को हम समय बीतने के बाद भूल जाते हैं, लेकिन ये आपदाएं दोबारा सिर न उठाएं, इसके लिए निजी और सामूहिक तौर पर प्रयास नहीं होते। यही वजह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा मंडराता है।

पहाड़ों की तबाही के सिलसिलों का इतिहास बहुत पुराना भी नहीं है, बल्कि तभी से शुरू हुआ, जब विकास की गति में तेजी आई। पहाड़ों को काटना प्रकृति के साथ सबसे बड़ी भूल कही जा सकती है, जो पेड़ों को काटे बिना संभव नहीं। साथ ही, यह भूस्खलन को बढ़ावा देती है और यह किसी से छिपा भी नहीं है कि भूस्खलन की त्रासदियां हर वर्ष जानलेवा साबित होती हैं। वृक्षों की कमी से कार्बन जैसी घातक गैसों में वृद्धि स्वाभाविक है, जो वायु प्रदूषण को न्यौता देना है और प्रदूषण रोकने के प्रयास अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं।

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है।

फलस्वरूप पीएम 2.5 जैसी जहरीली गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास के चलते अंधाधुंध होटल और रिजॉर्ट की संख्या के कोई मानक नहीं हैं, जबकि इतना तो तय होना चाहिए कि किसी भी इलाके के क्षेत्रफल के हिसाब से विकास हो। साथ ही, वाहनों की आवाजाही की संख्या भी क्षेत्र की क्षमता के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए. मगर इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

इस वजह से कई तरह की दुश्वारियों से दो-चार होना पड़ता है। बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स, हाईवे और सुरंग खोदा जाना प्रकृति के साथ अन्याय ही है। बांधों का निर्माण क्षेत्रीय मौसम पर बड़ा असर डालता है, जो उस क्षेत्र के साथ नजदीकी क्षेत्रों की बारिश में अनिश्चितता पैदा करता है और कृषि, आर्थिकी और सामाजिक स्तर प्रभावित होता है। मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में एक बड़ा दुष्प्रभाव हिमालय भुगत रहा है, हालांकि इसके पीछे प्रमुख जिम्मेदार वैश्विक ताप में वृद्धि है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

पहाड़ों में नदियों के किनारे निर्माण, अत्यधिक वाहनों की आवाजाही, प्लास्टिक कचरा और बेहिसाब माइनिंग पर्यावरण पर हमले जैसा है। हिमालय से जुड़े राज्य लेह लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में अभी तक किया गया विकास आपदाओं का जन्मदाता रहा है, लिहाजा प्रदूषण बढ़ रहा है, तो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं। इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है। समय रहते इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए और बड़ी योजनाओं के साथ तैयार रहना होगा।

यहां यह भी गौरतलब है कि पर्यावरण विशेषज्ञों की रिपोर्ट भी मानवीय कृत्य को जिम्मेदार मानती हैं। आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि अनियोजित मानवीय विकास को लेकर कई रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो प्रकृति के साथ खिलवाड़ का विरोध करती हैं। विकास का आधार वैज्ञानिक होना चाहिए और पर्यावरण के अनुरूप होना चाहिए।

भारतीय मौसम विभाग, वाडिया इंस्टीट्यूट, हिमालयन जियोलॉजी और पर्यावरण मंत्रालय समेत कई अन्य रिपोर्ट आ चुकी हैं। एरीज भी हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय स्थिति पर कई शोध कर चुका है, जो बताता है कि विकास पर्यावरण संरक्षण के आधार पर होना चाहिए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण वैज्ञानिकों का शोध बताता है कि खनन से मीथेन गैस अधिक निकलती है, जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में अधिक जिम्मेदार मानी जाती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन 40 प्रतिशत अधिक वैश्विक ताप बढ़ाती है। इस दिशा में भी विचार किए जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि जब भी मौसम या ऋतुओं में खास परिवर्तन होता है, तो हिमालयी राज्यों में आपदा का खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। पहाड़ों पर मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हो रही है। हमें साल 2013 की केदारनाथ त्रासदी को याद रखना होगा, जब बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और लाखों लोगों को बेघर कर दिया था। हमें साल 2023 की जोशीमठ आपदा को भी नहीं भूलना चाहिए, जब जमीन धंसने से कई घरों को नुकसान पहुंचा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पलायन करना पड़ा।

सोशल फोरम

एक थीं अजीजन बाई

अजीज़न बाई मूलतः पेशेवर नर्तकी थीं, जो देशभक्ति की भावना से भरपूर थीं। गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए उन्होंने घुंघरू उतार दिए थे। रसिकों की महफिलें सजाने वाली अजीज़न बाई क्रांतिकारियों के साथ बैठकें कर रणनीतियां बनाने लगीं। कानपुर में नाना साहेब के आह्वान पर अजीज़नबाई ने फिरंगियों से टक्कर लेने के लिए स्त्रियों का सशस्त्र दल गठित किया एवं उसकी कमान संभाली थी।

संजोग वाल्टर
ब्लॉगर

इतिहासकारों के मुताबिक अजीज़न बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 को मालवा क्षेत्र के राजगढ़ में हुआ था। अजीज़न बाई बचपन से रानी लक्ष्मीबाई की तरह रहना पसंद करती थीं और पुरुषों के लिबास पहनती थीं। साथ ही अपने साथ हमेशा बंदूक रखतीं और सैनिकों के साथ घोड़े की सवारी भी करती थीं।

एक जून 1857 को क्रांतिकारियों ने कानपुर में बैठक की, इसमें नाना साहब, तात्या टोपे के साथ सूबेदार टीका सिंह, शमसुद्दीन खां और अजीमुल्ला खां के अलावा अजीज़न बाई ने भी हिस्सा लिया। यहां गंगाजल को साक्षी मानकर इन सबने अंग्रेजों की हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

जून 1857 में ही इन लोगों ने अंग्रेजों को जोरदार टक्कर देते हुए विजय प्राप्त की और नाना साहब को बिठूर का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई। 16 अगस्त 1857 को बिठूर में अंग्रेजों के साथ पुनः भीषण युद्ध हुआ, जिसमें क्रांतिकारी परास्त हो गए। इन दोनों ही युद्धों में अजीज़न बाई की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण थी। उन्होंने युवतियों की टोली बनाई, जो कि मर्दाना वेश में रहती थीं।

युद्ध के दौरान अजीज़न बाई ने सिद्ध कर दिया कि वह वारांगना नहीं, अपितु वीरांगना है। बिठूर में हुए युद्ध में पराजित होने के बाद नाना साहब और तात्या टोपे को भागना पड़ा, लेकिन अजीज़न बाई पकड़ी गईं। इतिहासकारों के अनुसार युद्ध बंदिनी के रूप में उसे जनरल हैवलाक के सामने पेश किया गया।

उनके अप्रतिम सौंदर्य पर अंग्रेज अफसर मुग्ध हो उठे। जनरल ने उसके समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि वह अपनी गलतियों को स्वीकार कर अंग्रेजों से क्षमा मांग ले तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा और वह पुनः रास-रंग की दुनिया सजा सकती हैं। अन्यथा कड़ी से कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हो जाए। अजीज़न बाई ने क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया। अंग्रेज सैनिकों ने उनके शरीर (20 सितंबर 1857) को गोलियों से छलनी कर दिया।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

इक्विटी नियमः आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आया है। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है, लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है, क्योंकि केवल सलाह या दिशा-निर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे हुई पेन शब्द की उत्पत्ति

पेन शब्द की उत्पत्ति भाषा, इतिहास और लेखन परंपरा के आपसी संबंध को समझने का एक रोचक उदाहरण है। आज जिसे हम साधारण-सा लेखन उपकरण मानते हैं, उसका नाम सदियों पुराने सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

'पेन' शब्द अंग्रेजी भाषा का है, जिसकी जड़ें प्राचीन लैटिन भाषा में मिलती हैं। लैटिन में Penna शब्द का अर्थ होता है-पंख। प्राचीन काल में कागज पर लिखने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता था, वह वास्तव में पक्षियों के पंखों से बनाया जाता था। हंस, मोर या अन्य बड़े पक्षियों के पंखों की नोक को तेज कर स्याही में डुबोया जाता और फिर उससे लिखा जाता था। ऐसे लेखन उपकरण को अंग्रेजी में Quill Pen कहा जाता था।

मध्यकालीन यूरोप में विद्वान, लेखक और धार्मिक ग्रंथों के नकलनकर्ता इन्हीं पंखों से लिखते थे। उस समय लेखन एक श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण प्रक्रिया थी। पंख से लिखने के लिए हाथ की स्थिरता और अभ्यास की आवश्यकता होती थी, क्योंकि स्याही का प्रवाह पूरी तरह लेखक के नियंत्रण पर निर्भर करता था। यही कारण है कि उस दौर में सुलेख (Calligraphy) को एक कला के रूप में देखा जाता था। समय के साथ लेखन तकनीक में परिवर्तन आया। धातु की निब का आविष्कार हुआ, फिर फाउंटेन पेन और आगे चलकर बॉल पेन अस्तित्व में आए। हालांकि लेखन उपकरण का स्वरूप पूरी तरह बदल गया, लेकिन उसका नाम नहीं बदला। 'पेन' शब्द लेखन की उस पुरानी परंपरा की स्मृति के रूप में भाषा में बना रहा। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भाषा अपने भीतर अतीत की छाप सहेज कर रखती है, भले ही समय कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए।

नोटिस बोर्ड

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) के बीएससी कृषि व एमएससी कृषि की परीक्षाएं दो फरवरी से शुरू होंगी। गौरतलब है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बरेली व मुरादाबाद मंडल में नौ जिलों में 22 कृषि कॉलेज हैं, जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जिले में ही 17 कॉलेज में ही सेंटर दिया गया है।
- बीएचयू में दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं फरवरी में शुरू होंगी। सत्र को समय से शुरू कर 60 दिन से ज्यादा कक्षाएं चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले एनईपी के तहत चल रहीं सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं समाप्त कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि एक ही दिन 33 बहुविषयक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की 40 हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र में यूजी-पीजी स्तर के 25 नए प्रोग्राम भी शुरू किए जा रहे हैं। इस बार बीटेक की कुछ सीटें सीयूईटी से भी भरी जाएंगी। गौरतलब है कि अब तक जेईई स्कोर से ही दाखिले होते थे। तीन साल की एलएलबी को भी शुरू किया गया है। सभी प्रोग्राम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय के टेस्ट सीईटी को देना होगा। अप्रैल-मई में एंट्रेंस होगा।

समानता के लिए समाधान

टकराव नहीं, संतुलन में है

महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के कैंपस में इस समय माहौल यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर चर्चा, बहस और पक्ष-विपक्ष के बीच बंटा हुआ नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि यूजीसी के नए विनियमों से उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी बनाम जनरल कैटेगरी के बीच भेदभाव और बढ़ेगा और इन विनियम का दुरुपयोग एडमिशन, नियुक्ति, प्रमोशन हर जगह होगा। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि छात्र-छात्रों के बीच जातीय संघर्ष बढ़ने से आपसी समरसता और खत्म हो जाएगी। इसके चलते इन विनियम की सार्थकता जितनी व्यावहारिक रूप से सहज दिख रही है, वास्तविकता से ये उतने ही दूर हैं। इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके UGC विनियम, 2026 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

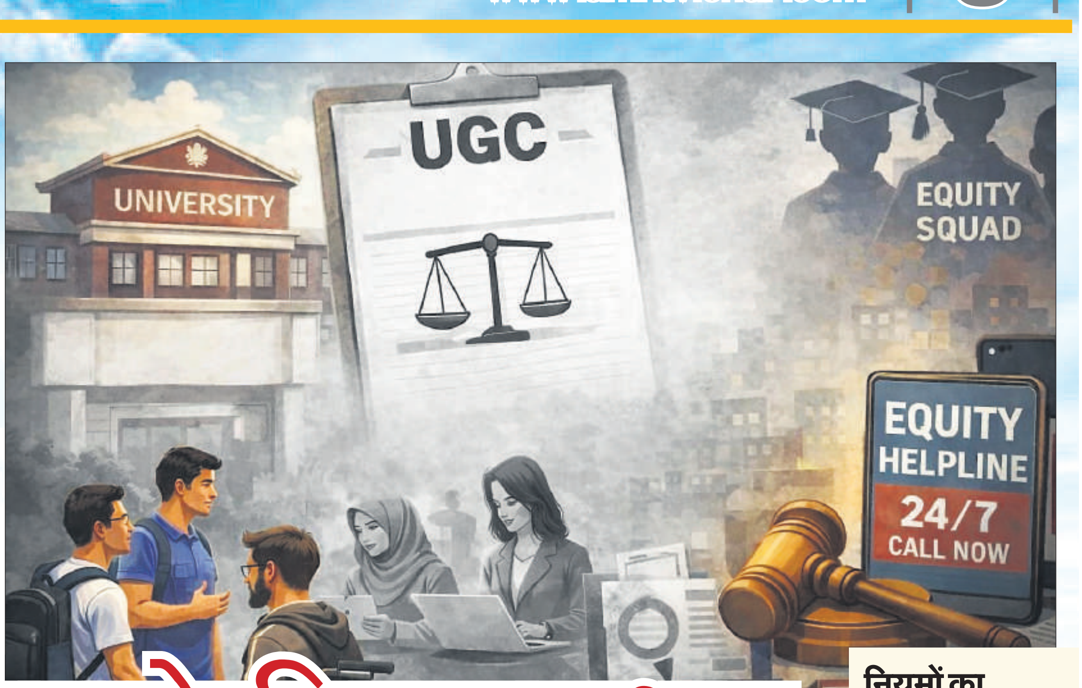

याचिका में कहा गया है कि नए नियम यूजीसी के समानता नियम के सेक्शन 3(C) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्तिगत आजादी जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और यूजीसी अधिनियम 1956 के भी विरुद्ध है। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के अवसर खत्म होंगे। सोशल मीडिया पर भी इस विनियम का भारी विरोध हो रहा है। इस सबके बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा न केवल प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का हथियार भी है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान अलगाववादी बने रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण का अपना मुख्य उद्देश्य कैसे पूरा कर पाएंगे। ऐसे में देश को 'शिक्षा के अधिकार' से 'समान शिक्षा के अधिकार' की तरफ आगे बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब कैंपस के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को हतोत्साहित करने के साथ दंडित करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

नियमों का अनुपालन न होने पर क्या होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी की योजनाओं में भाग लेने से वंचित किया जा सकता है। उन्हें डिग्री कार्यक्रम, डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रम संचालित करने से रोका जा सकता है। अनुदान रोका जा सकता है, नए कोर्स बंद हो सकते हैं। संस्थान को उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची से हटाया जा सकता है। इससे ये नियम सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि प्रवर्तनीय बन गए हैं।

नए विनियम में यह हैं प्रावधान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम-2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है। ये विनियम साल 2012 से लागू भेदभाव-रोधी नियमों का अपडेटेड स्वरूप हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव का उन्मूलन करना है।

- नए विनियमों में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। जाति-आधारित भेदभाव को अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विरुद्ध किसी भी अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके साथ ही भेदभाव को किसी भी अनुचित, पक्षपाती या भिन्न व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष और यह जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या विकलांगता जैसे आधारों पर लागू होता है। इसमें ऐसे कृत्य भी शामिल हैं, जो शिक्षा में समानता के अधिकार को बाधित करें या मानव गरिमा का उल्लंघन करें।
- प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुंच को बढ़ावा देना तथा परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना है।
- प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और समावेशन सुनिश्चित करना है।
- समान अवसर केंद्र (EOC) के अंतर्गत संस्थान में एक समता कमेटी गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस कमेटी में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा, ताकि समावेशी निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। शिकायत मिलते ही समिति बैठक करेगी और रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को देगी।
- हर संस्थान को 24 घंटे की इक्विटी हेल्पलाइन चलानी होगी। शिकायतकर्ता की पहचान मांगने पर गोपनीय रखी जाएगी।
- समान अवसर केंद्र को अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जबकि समानता कमेटी को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होगी। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र की कार्यप्रणाली पर वार्षिक रिपोर्ट यूजीसी को प्रस्तुत करनी होगी।
- नए विनियमों में भेदभाव उन्मूलन और समानता संवर्द्धन की स्पष्ट जिम्मेदारी संस्थानों को निर्दिष्ट की गई है तथा संस्थान के प्रमुख को प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए सीधे उत्तरदायी बनाया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) राष्ट्रीय स्तर पर एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसमें वैधानिक पेशेवर परिषदों व आयोगों के प्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति कम से कम वर्ष में दो बार बैठक करके नियमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी, भेदभाव के मामलों की जांच करेगी और रोकथाम के उपाय सुझाएगी।
- नवीन नियमावली में संस्थानों को भेदभाव समाप्त करने, समानता को बढ़ावा देने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने के उत्तरदायित्व दिए गए हैं। संस्थान के प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी होगी कि नियमों का पालन हो।

इन कारणों से अस्तित्व में आए नए नियम

यूजीसी के अनुसार नए नियमों की जरूरत उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजातियों के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव के मामले रोकने और उन पर निगरानी रखने के लिए बनाए गए हैं। 2020 से 2025 के बीच जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके अलावा इस नियम को बनाने के पीछे रोहित वेमुला और पायल ताडवी जैसे मामलों में की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। दरअसल जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल ताडवी की आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियम बनाने की मांग की थी। जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूजीसी को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था। इसी के बाद फरवरी 2025 में नए नियमों से संबंधित ड्राफ्ट जारी किया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि ये विनियम उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध कानूनी और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करते हैं तथा वर्ष 2019 में आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में उठाई गईं उन गंभीर चिंता को संबोधित करते हैं, जिनमें पाया गया था कि ऐतिहासिक रूप से वंचित जातियों के 75 फीसदी छात्र परिसर में भेदभाव का सामना करते हैं।

कौन से हैं वह मुख्य बिंदु, जिन पर जताई जा रही है आपत्ति

पिछले साल फरवरी माह में यूजीसी ने इन नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल कर लिया है। मसौदा नियमों में भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए कहा गया है कि जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार पर कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार, जो शिक्षा में समानता को लेकर बाधा डालता है या मानव की गरिमा का उल्लंघन करता है, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा। इसी तरह मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाएगा और इसके लिए जुर्माना या सस्पेंड करने का प्रावधान रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान हटा दिया है।

कैंपस में पहला दिन

सीख और स्मृतियों की यात्रा

इंटर की परीक्षा पास करते ही जीवन ने मुझे पहली बार घर की सीमाओं से बाहर निकलने का अवसर दिया। फर्रुखाबाद की परिचित गलियों और अपनेपन भरे माहौल को पीछे छोड़कर मैं पढ़ाई के लिए कानपुर आया। यह केवल शहर बदलने की यात्रा नहीं थी, बल्कि बचपन से युवावस्था की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम भी था। नवाबगंज स्थित वीएसएसडी कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया और उसी के साथ एक बिल्कुल नई दुनिया मेरे सामने खुलने लगी।

कानपुर का माहौल मेरे लिए आकर्षक भी था और थोड़ा डरावना भी। नए चेहरे, नई भाषा, नए तौर-तरीके, सब कुछ अनजान था। नए दोस्तों से मिलना और उनके बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। कॉलेज को लेकर पहले से कई किस्से सुन रखे थे। यह भी पता चला था कि यहां को-एजुकेशन होती है, इसलिए मन में एक मासूम-सी उत्सुकता और खुशी भी थी। यह भ्रम जल्द ही टूट गया। बीकॉम की हमारी पूरी कक्षा में एक भी छात्रा नहीं थी। को-एजुकेशन की सारी कल्पनाएं पहले ही सेमेस्टर में दम तोड़ गईं। फिर भी कॉलेज जीवन निराशाजनक नहीं था। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक, कैंटीन की चर्चाएं और कभी-कभार इधर-उधर घूमने की योजनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन गईं। हालांकि पढ़ाई को लेकर माहौल काफी सख्त था। हमारे प्रोफेसर छात्रों की नीयत तुरंत भांप लेते थे। जरा-सी लापरवाही या बहानेबाजी उनके

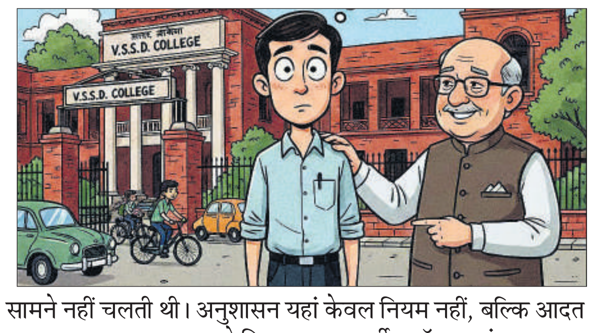

सामने नहीं चलती थी। अनुशासन यहां केवल नियम नहीं, बल्कि आदत बन चुका था। हमारे विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. ज्ञानचंद अग्रवाल एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। उनके व्यवहार में कठोरता नहीं, बल्कि अपनापन था। उनकी सरलता, स्नेह और अनुशासन ने हम सब पर गहरा प्रभाव डाला। वे हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन जीने की समझ भी देते थे। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो महसूस होता है कि कानपुर का वह कॉलेज और वहां बिताया गया समय मेरे व्यक्तित्व की नींव बन गया। जो भी आत्मविश्वास, समझ और अभिव्यक्ति मुझमें आज दिखाई देती है, उसके पीछे मेरे कॉलेज और मेरे गुरुओं का अमिट योगदान है। वे दिन स्मृतियों में आज भी जीवित हैं- एक सीख की तरह, एक संस्कार की तरह।

आरके सफ्फड़
उद्यमी एवं समाजसेवी

करेंट अफेयर्स

- हाल ही भारत की रक्षा आधुनिकीकरण की झलक 77 वें गणतंत्र दिवस परेड में उस समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जब एक उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित यह हथियार उच्च-गति और सटीक युद्ध क्षमताओं में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है तथा बदलते रणनीतिक वातावरण में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित करता है। हाइपरसोनिक हथियार अपनी असाधारण गति, अनिश्चित उड़ान पथ और उच्च सटीकता के कारण आधुनिक युद्ध में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में केवल कुछ ही देशों के पास परिचालन स्तर की हाइपरसोनिक क्षमताएं हैं। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति उसे उन्नत सैन्य शक्तियों के विशिष्ट समूह में स्थापित करती है और भविष्य-उन्मुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाल ही भारत और नामीबिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2026 में आयोजित उच्च-स्तरीय राजनयिक परामर्श के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल अवसंरचना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह चर्चा संसाधन सुरक्षा, सतत विकास और उभरती वैश्विक चुनौतियों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- हाल ही में भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों ने 2026 में एक नया चरण शुरू किया, जब यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत का उच्च-स्तरीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क से जुड़े व्यापक समझौते हुए, जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझेदारी को मजबूत करने की साझा दृष्टि को दर्शाते हैं।
- हाल ही उत्तराखंड राज्य ने अपने नागरिक कानून ढांचे में एक और महत्वपूर्ण सुधार करते हुए समान नागरिक संहिता (UCC) को नए संशोधनों के माध्यम से और सुदृढ़ किया है। इस कदम का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है, साथ ही राज्य में नागरिक मामलों में समानता और डिजिटल शासन को मजबूत करना है।

जॉब अलर्ट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI)

- पद का नाम-फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर (स्केल III) और मार्केटिंग ऑफिसर (स्केल I)
- कुल पद- 350
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में कहीं भी
- वेतन स्केल III: 85,920-1,05,280 और स्केल I: 48,480-85,920
- अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- परीक्षा की तिथि- फरवरी/मार्च 2026 (संभावित)
- वेबसाइट-centralbankofindia.bank.in

बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (BMC बैंक)

- पद का नाम- मैनेजिंग डायरेक्टर
- पदों की संख्या- उल्लेखित नहीं (मैनेजिंग डायरेक्टर का एक कार्यकारी पद)
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट, CAIIB, CA, MBA, बैंकिंग और फाइनेंस या कानून में योग्यता या PG डिग्री वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- आयु सीमा-उम्मीदवार की आयु 35 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- आवेदन की अंतिम तिथि-15-02-2026 (15 फरवरी 2026 से पहले)
- वेबसाइट-www.bmc.bank.in

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (CCRH)

- पद का नाम-विभिन्न पद (जूनियर रिसर्च फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, रिसर्च एसोसिएट, साइंटिस्ट C, प्रोजेक्ट एसोसिएट II, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, ऑफिस असिस्टेंट, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर/डिस्पेंसर, लैब टेक्नीशियन, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट)
- पदों की संख्या-40
- वेतन-रु.16,000 से रु.84,337 (एकमुश्त) + HRA (पदानुसार अलग-अलग, कुछ में वार्षिक वेतन वृद्धि)
- योग्यता-पद के अनुसार अलग-अलग
- आयु सीमा-30 से 64 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग, इंटरव्यू की तारीख के अनुसार)
- वेबसाइट- https://ccrhindia.ayush.gov.in/

कम्युनिकेशन स्किल: सफल करियर की कुंजी

कम्युनिकेशन स्किल आज के समय में कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं रह गई है, बल्कि यह हर छात्र के व्यक्तित्व और सफलता की बुनियाद बन चुकी है। कई शोध यह साबित कर चुके हैं कि जिन विद्यार्थियों में प्रभावी संचार क्षमता होती है, वे पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं। मजबूत कम्युनिकेशन स्किल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि आपको अपने विचारों को सही शब्दों में ढालने और दूसरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की ताकत भी देती है। कक्षा में सवाल पूछने से लेकर इंटरव्यू में खुद को प्रस्तुत करने तक- हर जगह संचार कौशल निर्णायक भूमिका निभाता है। कॉलेज का समय इन क्षमताओं को निखारने का सबसे सही दौर होता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सुनने की बनाएं आदत

अक्सर लोग संचार को केवल प्रभावशाली बोलने की कला मान लेते हैं, जबकि सच यह है कि संवाद की असली शुरुआत ध्यानपूर्वक सुनने से होती है। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं, बल्कि सामने वाले की भावना, विचार और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। जब हम पूरी एकाग्रता से किसी की बात सुनते हैं, तो यह उसके प्रति सम्मान और रुचि को दर्शाता है। सुनने की क्षमता ही सही और संतुलित प्रतिक्रिया का आधार बनती है। इस तरह सुनने की आदत संवाद को सार्थक और भरोसेमंद बनाती है।

शब्दों का चयन सोच-समझकर करें

बोलना आसान है, लेकिन सही समय पर सही शब्द कहना एक कला है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि शब्दों का असर गहरा होता है। कभी-कभी एक वाक्य किसी को प्रेरित कर सकता है और वही वाक्य किसी को आहत भी कर सकता है। इसलिए अपनी बात रखने से पहले थोड़ा ठहरें, सोचें और फिर बोलें। प्रत्येक छात्र को इस आदत को विकसित करना चाहिए, क्योंकि एक बार बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। आपके शब्द सराहना से भरे भी हो सकते हैं और आलोचनात्मक भी। उनमें सामने वाले को अच्छा या बुरा महसूस कराने की शक्ति होती है। इसलिए शब्दों के महत्व को समझें और बोलने से पहले सोचें।

वाद-विवाद से आत्मविश्वास को दें उड़ान

सार्वजनिक रूप से बोलने का डर छात्रों के आत्मविश्वास में सबसे बड़ी बाधा बनता है, जिसे दूर करने में कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। डिबेट में भाग लेने से विद्यार्थी विषय को गहराई से समझना सीखते हैं और अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करते हैं। बहस के दौरान अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं, जिससे सोच का दायरा व्यापक होता है और सहनशीलता भी बढ़ती है। जब छात्र पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी करते हैं, तो वे किसी भी परिस्थिति में संतुलित और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में पूर्णरूप से सक्षम होते हैं। साथ ही, प्रतिद्वंद्वी के तर्कों को समझकर उनका संयमित और तथ्यात्मक तरीक से खंडन करना भी सीखते हैं, जो प्रभावी संवाद के लिए आवश्यक कौशल है।

स्पष्ट सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति

अगर विचार उलझे होंगे, तो शब्द भी उलझे ही निकलेंगे। इसलिए जरूरी है कि बोलते समय आप मुद्दे पर टिके रहें। लेखन इस दिशा में एक बेहतरीन अभ्यास है। जब आप लिखते हैं और फिर अपने लिखे को पढ़ते हैं, तो सोचने का दायरा विस्तृत होता है और विचारों में स्पष्टता आती है। बोलते समय अपनी बात स्पष्ट और मुद्दे पर केंद्रित रखें। जब आपके विचार स्पष्ट होते हैं, तभी आपकी अभिव्यक्ति में विशिष्टता आती है।

एक हुनर है प्रश्न पूछना भी

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने सामने वाले के संदेश को सही ढंग से समझा है, प्रश्न पूछना एक आवश्यक कौशल है। यह न केवल किसी विषय को गहराई से समझने में मदद करता है, बल्कि बातचीत को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का भी प्रभावी तरीका है। अच्छे प्रश्न पूछने वाले लोग प्रायः अच्छे श्रोता भी माने जाते हैं, क्योंकि वे अपनी राय थोपने के बजाय दूसरों को समझने पर अधिक ध्यान देते हैं। अच्छा संवाद केवल जवाब देने से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से भी बनता है। सवाल पूछने से यह स्पष्ट होता है कि आप बातचीत में रुचि ले रहे हैं और सामने वाले को समझना चाहते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,344.68	25,342.75
बढ़त	487.20	167.35
प्रतिशत में	0.60	0.66

सोना 1,71,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 29 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

स्टार्टअप की परिभाषा के विस्तार की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार देश में उभरते उद्यमों के लिए परिवेश को और मजबूत करने के लिए स्टार्टअप की परिभाषा का विस्तार कर सकती है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि विस्तारित परिभाषा में ''डीप-टेक'' और सहकारी समितियां शामिल होंगी। साथ ही स्टार्टअप को डीप-टेक की ओर रुख करने की अनुमति मिलेगी। सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश में स्टार्टअप परिवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

ईरान की मुद्रा 16 लाख रियाल प्रति डॉलर

दुबई। आंतरिक अशांति से जूझ रहे ईरान की मुद्रा रियाल बुधवार को फिसलकर 16 लाख रियाल प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। इसके एक दिन पहले ही रियाल पहली बार 15 लाख प्रति डॉलर के स्तर तक फिसला था। रियाल में तेज गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर शुरू हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को एक महीना पूरा हो चुका है।

एसीसी सीमेंट को 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी ने बुधवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

टीवीएस मोटर का शुद्ध लाभ 46.26% बढ़ा

नई दिल्ली। दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 46.26 प्रतिशत बढ़कर 891.26 करोड़ रुपये रहा। मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का लाभ बढ़ा है। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 609.35 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत पूरी तरह सक्षम : हरदीप पुरी

भारत और कनाडा ने ऊर्जा सहयोग के संयुक्त वक्तव्य पर किए हस्ताक्षर. हाजसन ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक ऊर्जा संवाद की नई शुरुआत

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच विकासशील और विकसित राष्ट्रों ने सकारात्मक कदम उठाने की कवायद शुरू कर दी है। भारत में गोवा राज्य के ओएनजीसी परिसर में आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह, सम्मेलन इसी कड़ी का हिस्सा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस(एलएनजी),तरल पेट्रोलियम गैस(एलपीजी)कच्चे तेल तथा रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आपसी आयात-निर्यात को लेकर भारत-कनाडा में बुधवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

दोनों देश हरित हाइड्रोजन व सौर की उत्पादकता और वितरण के संदर्भ में भी मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। विश्व का दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले देश कनाडा और विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हुआ पहल उत्तरी अटलांटिक तथा पैसिफिक--एशिया के देशों को भी एक नई दिशा प्रदान करेंगे। समझौते के पश्चात भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हमारा देश एक उभरती शक्ति बन चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम है। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन और एलएनजी की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके विस्तार की स्रोतों पर भी मिलकर कार्य करेंगे। कनाडा और भारत ऊर्जा की विभिन्न आयामों को सही राह दिखाएंगे, भारी निवेश करते हुए उल्लेखनीय कार्य करेंगे। पुरी ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को लेकर भारत अपने सहयोगी देशों अर्थात ब्राजील,स्वीडन,पोलैंड,रूस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),ओमन तथा इंडोनेशिया के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

भारत ऊर्जा सप्ताह में भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी तथा कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाजसन।

भारत-कनाडा में यह बनी सहमति

ट्रांस माउंटेन एक्सपेंशन(टीएमएक्स) पाइपलाइन के माध्यम से कनाडा भारत को कच्चा तेल देगा। भारत कनाडा से एलएनजी,एलपीजी के अलावा अन्य संदर्भित सामग्री आयात करेगा। इसके बदले भारत कनाडा को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को बहुतायत में निर्यात करेगा। पहली बार भारत आए कनाडा के पेट्रोलियम मंत्री टिओमी हाजसन ने बताया कि दोनों देश नवीनीकरण ऊर्जा अर्थात हाइड्रोजन,जैव तथा संपोषित विमानन ईंधन बैटरी भंडारण,महत्वपूर्ण खनिज उत्खनन,स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा विद्युत प्रणालियों के नवाचार को आपसी सहयोग से बढ़ावा देंगे। जान लें,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता,चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक तथा चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन क्षमता वाला देश है।

कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाज़सन ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत बड़ी शक्ति बन चुका है। कनाडा अपने समुचित संसाधनों के साथ भारत सहयोग देगा और लेगा भी। हाजसन ने यह भी कहा कि करीब 140 करोड़ भारतीयों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बीड़ा उठाना कोई आसान काम नहीं। तेल शोधन और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में यूं ही अग्रणी नहीं हो गया है। दोनों देशों के मध्य मंत्रीस्तरीय ऊर्जा संवाद नई शुरुआत है। हम काफी कुछ बेहतर करेंगे। मंत्रियों ने दोनों देशों की सुरक्षा,बेहतरी,आर्थिक विकास हेतु ऊर्जा संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति की विविधता को भी रेखांकित किया। भारत व कनाडा के पेट्रोलियम मंत्रालयों ने ऊर्जा क्षेत्र के पूरक प्रकृति तथा ऊर्जा मामलों पर लगातार सहयोग से मिलने वाले पारस्परिक लाभ को भी मान्यता दी। दोनों देशों ने वैल्यू चेन में 'व्यापार से व्यापार' या 'व्यापार से सरकार' सहयोग को प्रोत्साहन देने और आपस में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत-ईयू के समझौते से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : मुर्मू

राष्ट्रपति के दोनों सदनों में संयुक्त अभिभाषण से हुई बजट सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे ''सबसे बड़ा समझौता'' कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

खुशहाल किसान पहली प्राथमिकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार के लिए खुशहाल किसान विकसित भारत की पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखकर किसान सम्मान निधि के तहत कृषकों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ उन फसलों का भी उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है जिसमें अभी तक हमारा कृषि क्षेत्र पीछे था। मुर्मू ने कहा, कृषि का महत्व समझाते हुए संत तिरुवल्लुवर ने कहा था कि समाज के लोग चाहे जिस भी काम से जुड़े हों, हर व्यक्ति का जीवन एक मेहनती किसान के परिश्रम पर निर्भर होता है। इसीलिए मेरी सरकार खुशहाल किसान को विकसित भारत की पहली प्राथमिकता के रूप में देखती है।

सुधार एक्सप्रेस, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपये की बचत

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' के पथ पर आगे बढ़ रही है जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ हो रहा है। पिछले साल लागू किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ने नागरिकों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की है। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने आयकर कानून में संशोधन किया है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इन सुधारों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये पार

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत स्मार्टफोन उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले 11 वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और वैश्विक क्षमता केंद्रों में भी एक करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

खरगे ने केंद्र के विकसित भारत को बताया खोखला नारा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हमला बोलते हुए कहा है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है, जिसमें पुराने दावों और वादों को दोहराया जाता है लेकिन उनके क्रियान्वयन या जवाबदेही पर कोई चर्चा नहीं होती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा दिए गए 'विकसित भारत' के नारे पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह नारा स्पष्ट लक्ष्यों, समय-सीमा और परिणामों के बिना सिर्फ राजनीतिक जुमला है। उनका आरोप है कि बिना ठोस रोडमैप के विकास की बात करना जनता को गुमराह करने के बराबर है। खरगे ने मनरेगा को लेकर भी केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार की गारंटी देने वाले मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है, जिससे करोड़ों गरीब और असंगठित श्रमिकों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ काम करने का अधिकार था।

सेंसेक्स में 487 और निफ्टी में 167 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही।

- भारत-यूरोपीय संघ के एफटीए से लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी

चांदी 3.85 लाख, सोना 1.71 लाख रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने में तेजी के बीच दो साल में दोगुना हुआ गोल्ड लोन

नवंबर 2023 में था 7.9 लाख करोड़ रुपये, अब 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच सुरक्षित माने जाने वाले इस खंड में बैंकों और अन्य कर्जदाताओं की दिलचस्पी बढ़ने से देश में सोने के आभूषण के बदले कर्ज यानी गोल्ड लोन दो साल में करीब दोगुना होकर नवंबर 2025 तक 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। क्रिफ हाई मार्क की ओर से बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक के एक साल में 'सोने के बदले कर्ज' (गोल्ड लोन) में 42% की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले नवंबर 2024 तक के वर्ष में इसमें 39% की बढ़ोतरी हुई थी। इस वजह से नवंबर 2023 में 7.9 लाख करोड़ रुपये पर रहा कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो दो साल में बढ़कर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सोने के बदले कर्ज को लेकर बढ़ते भरोसे के कारण खुदरा कर्ज के कुल पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी भी बढ़ी है। नवंबर 2025 के अंत तक कुल खुदरा ऋण में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी बढ़कर 9.7% हो गई, जो एक साल पहले 8.1 प्रतिशत थी।

क्रिफ हाई मार्क ने कहा कि ऋण पोर्टफोलियो में यह तेज बढ़ोतरी सोने की ऊंची कीमतों और मजबूत गारंटी की वजह से हो रही है। सोने की कीमतों में आई तेजी से कर्ज लेने वालों की पात्रता बढ़ने से कर्ज की राशि भी ज्यादा हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय गोल्ड लोन खातों की संख्या में वृद्धि अपेक्षाकृत सीमित रही और इसमें 10.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि 2.5 लाख रुपये से अधिक के कर्ज अब कुल पोर्टफोलियो का लगभग आधा हिस्सा बन चुके हैं जबकि मार्च 2023 में इनकी हिस्सेदारी 36.4 % थी।

पुरुषों ने लिया ज्यादा कर्ज, महिलाओं ने ज्यादा चुकाया

विश्लेषण में पाया गया कि कुल गोल्ड लोन में 56 प्रतिशत से अधिक कर्ज पुरुष उधारकर्ताओं ने लिए। हालांकि कर्ज चुकाने के मामले में महिला कर्जदारों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से गोल्ड लोन में सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों का दबदबा बना हुआ है और इस कारोबार में उनकी हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है। वहीं, गोल्ड लोन पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की हिस्सेदारी 8.1 प्रतिशत रही।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 7.8% पर

नई दिल्ली। खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन के दम पर भारत के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर दिसंबर 2025 में दो साल से अधिक के उच्च स्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह दावा किया गया है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन दिसंबर 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़ा था। आधिकारिक बयान में कहा गया, दिसंबर 2025 में औद्योगिक गति और मजबूत हुई क्योंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 7.8 प्रतिशत बढ़कर दो वर्ष से अधिक के अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवंबर 2025 में इसमें 7.2 प्रतिशत (संशोधित) की वृद्धि दर्ज की गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने नवंबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को पिछले महीने जारी किए गए 6.7 प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित करके 7.2 प्रतिशत कर दिया है।

- खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन ने दिलाई बढ़त

हफ्ते में दूसरी बार रुपये का लुढ़कने का रिकॉर्ड फिर 91.99 प्रति डॉलर

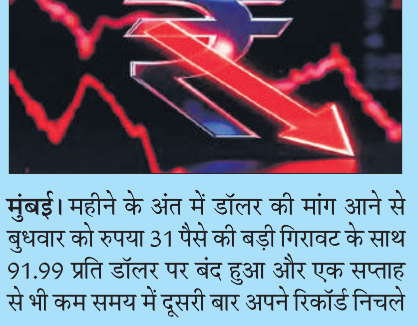

मुंबई। महीने के अंत में डॉलर की मांग आने से बुधवार को रुपया 31 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 91.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ और एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी और यूरोप के साथ व्यापारिक समझौते से मिली राहत से रुपया मजबूती से खुला था, लेकिन विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव और वैश्विक स्तर पर जारी तनाव से निवेशकों का रुख बनाए नहीं रख सका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.60 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 91.50 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक गया लेकिन बाद में रुपया डॉलर के मुकाबले 91.99 के निचले स्तर तक फिसल गया। कारोबार के अंत में रुपया 31 पैसे की गिरावट के साथ 91.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इसके पहले 23 जनवरी को भी रुपया 91.99 प्रति डॉलर पर रहा था।

अमेजन करेगी 16,000 कर्मचारियों की छंटनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन तीन महीने में दूसरी बार बड़े पैमाने पर छंटनी करते हुए लगभग 16,000 नौकरियों की कटौती करने जा रही है। कंपनी ने कहा कि उसकी कर्मचारियों की जगह जनरेटिव यानी सृजन से जुड़े एआई का इस्तेमाल करने की योजना है। महामारी के दौरान बढ़ी हुई कार्यबल संख्या को भी धीरे-धीरे कम किया जा रहा है।

ई-कॉमर्स कंपनी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने बुधवार को एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि कंपनी विभिन्न स्तरों को घटा रही है, कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ा रही है और नौकरशाही को कम कर रही है। गैलेटी ने कहा कि अमेजन की हाल की छंटनी अक्टूबर में हुई नौकरी कटौती के बाद आई हैं, जब कंपनी ने 14,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि अमेजन की इकाइयों ने अक्टूबर में ये संगठनात्मक बदलाव पूरे कर लिए थे, लेकिन कुछ विभागों ने इसे अब तक पूरा नहीं किया है।

- कर्मचारियों की जगह एआई का इस्तेमाल करने की घोषणा की
- इससे पहले कंपनी ने 2023 में खत्म की थीं 27,000 नौकरियां

गैलेटी ने कहा कि अमेरिका में काम कर रहे कर्मचारियों को कंपनी के भीतर नई भूमिका खोजने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। जो कर्मचारी नया पद नहीं पा सकेंगे या नई नौकरी नहीं लेना चाहेंगे, उन्हें नौकरी से निकाले जाने के बाद दी जाने वाली क्षतिपूर्ति, नौकरी खोजने में सहायता सेवाएं और स्वास्थ्य बीमा सुविधाएं दी जाएंगी। गैलेटी ने कहा, इन बदलावों के साथ हम उन रणनीतिक क्षेत्रों और कार्यों में नियुक्तियां और निवेश भी जारी रखेंगे, जो हमारे भविष्य के लिए बेहद अहम हैं। यह अमेजन की 2023 के बाद सबसे बड़ी छंटनी है, जब कंपनी ने 27,000 नौकरियां खत्म की थीं।

आधार एप से आसान होगा उम्र का डिजिटल सत्यापन

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) नया आधार एप लाया है जिसका उपयोग डिजिटल व्यक्तिगत संरक्षण अधिनियम के तहत कोई अतिरिक्त डेटा साझा किए बगैर उम्र सत्यापन के लिए किया जा सकता है।

एप की पेशकश के अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि सरकार ने निजी संस्थाओं को सुरक्षित आधार पर आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके सेवा प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए ''आधार प्रमाणीकरण नियम 2020 के लिए आधार प्रमाणीकरण में संशोधन किया है। कृष्णन ने कहा, हम अक्सर डिजिटल व्यक्तिगत संरक्षण अधिनियम अधिनियम के तहत यह चर्चा करते रहते हैं कि उम्र की पुष्टि कैसे की जाएगी। मुझे लगता है कि अब हम ऐसी स्थिति में हैं कि आधार एप के जरिए उम्र की जांच आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए किसी अतिरिक्त जानकारी साझा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उम्र की पुष्टि ऑनलाइन मंच, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और ई-कॉमर्स मंच को यूजर की उम्र जांचने में मदद करेगी। इससे बच्चों को अनुपयुक्त सामग्री या उत्पादों तक पहुंच से बचाया जा सकेगा।

वोडाफोन आइडिया तीन वर्षों में 45000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया अगले तीन वर्षों में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है ताकि विकास की पटरी पर लौट सके। वोडाफोन आइडिया (वीआई) के सीईओ अभिजीत किशोर ने कहा कि कंपनी अपने प्रतिस्पर्धियों के बराबर आने के लिए 22 में से 17 दूरसंचार सर्किल में नेटवर्क कवरेज का विस्तार करेगी और अगले तीन वर्षों में पांच सर्किल में 2जी साइटों को ऑनलाइन नेटवर्क में बदलने का प्रयास करेगी।

महत्वपूर्ण प्रगति का दावा

सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने कहा- ईयू से समझौता अमेरिका से व्यापारिक संबंधों का विकल्प नहीं

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। दावा किया गया है कि इसको लेकर बातचीत में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आधिकारिक सूत्रों ने यह भी कहा है कि भारत के यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते को अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम चरण में पहुंचाने के दौरान भी भारत ने अमेरिका के साथ वार्ता की गति बनाए रखी। भारत-ईयू एफटीए को अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों की मौजूदा स्थिति के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार भी उतना ही अहम है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और दोनों पक्ष सकारात्मक नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा, इस दिशा में प्रयास जारी हैं। हम वार्ता का सकारात्मक परिणाम आने को लेकर आशान्वित हैं। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर कई दौर की बातचीत की थी, लेकिन अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाए जाने के बाद वार्ता में बाधा आई। इनमें रूसी तेल खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी शामिल था। आव्रजन नीति और अन्य मुद्दों पर भी दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखा गया। भारत और ईयू के बीच एफटीए संपन्न होने के बाद यह धारणा बनी है कि यह अमेरिका की शुल्क नीति के जवाब में उठाया गया कदम है। हालांकि सूत्रों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों के आपसी हित और लाभ के आधार पर किया गया है।

ईयू को डेयरी, चावल, गेहूं, दाल, जीएम उत्पादों पर रियायत नहीं

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ के साथ हुए द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के तहत डेयरी, चावल, गेहूं, दालें, चाय, जीएम उत्पाद और कॉफी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण देते हुए कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि बीफ एवं पोल्ट्री, मछली एवं समुद्री उत्पाद, पनीर, मक्का, फल एवं सब्जियां, मेवे, खाद्य तेल, मसाले और तंबाकू जैसे कई अन्य संवेदनशील क्षेत्रों को भी संरक्षण दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, इन क्षेत्रों का सीधा संबंध छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से होने की वजह से यह संरक्षण दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा,भारत ने किसी भी समझौते में डेयरी क्षेत्र को शुल्क रियायत नहीं दी है, भविष्य में भी इस क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा।

- बीफ, पोल्ट्री, मछली, समुद्री उत्पादों को भी दिया संरक्षण

25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर ही रियायत

नई दिल्ली। भारत ने ईयू के साथ हुए व्यापार समझौते में व्यापक बाजार में बिकने वाली कारों को पूरी तरह सुरक्षित रखा है और सिर्फ 25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली यात्री कारों पर ही आयात शुल्क में क्रमिक छूट दी जाएगी। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि 25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर दी जाने वाली छूट सालाना 2.5 लाख कारों तक ही दी जाएगी। इसके अलावा यह कोटा मुख्य रूप से यूरोपीय संघ की पुरानी और मशहूर कार विनिर्माता कंपनियों को दिया जाएगा।

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए शुरू किया नया शोध केंद्र

● स्नातक छात्रों को मिलेंगे विवि में प्रवेश के अतिरिक्त मौके

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा कि कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति, शुल्क,अन्य खर्चों के लिए धन दे सकेंगे।

प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विवि कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

सवालों के घेरे में उड़ते महल

महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुणे के बारामती हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान निजी विमान लियरजेट 45 दुर्घटनाग्रस्त होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमानन क्षेत्र में तकनीक और सुरक्षा के उच्चतम मानकों के बावजूद ऐसी घटनाएं हवाई सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ी करती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, खराब दृश्यता और तकनीकी खराबी हादसे के संभावित कारण हो सकते हैं। इस हादसे से विमान के रखरखाव पर भी अंगुली उठ रही है। वीआईपी उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा को भी अनिवार्य बना दिया है।

विमान दुर्घटना

हादसे में खोईं हस्तियां

● विजय रूपाणी (12 जून 2025): अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी मृत्यु हुई थी।

● जनरल बिपिन रावत (8 दिसंबर 2021): तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, जिसमें सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों की मृत्यु हुई।

● दोर्जी खांडू (30 अप्रैल 2011): अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुर्गम पहाड़ियों में क्रैश हो गया था। ● वाईएस राजशेखर रेड्डी (2 सितंबर 2009): हेलीकॉप्टर हादसे में आंध्र के सीएम की मृत्यु हुई थी।

हादसों के प्रमुख कारण

● मानवीय भूल: लगभग 50% से अधिक हादसों का कारण पायलट की गलती होती है। इसमें गलत निर्णय लेना, थकावट या आपातकालीन स्थिति में सही प्रतिक्रिया न दे पाना शामिल है।

● तकनीकी खराबी: विमान के इंजन में खराबी, हाइड्रोलिक सिस्टम का फेल होना या लैंडिंग गियर का न खुलना गंभीर हादसों की वजह बनता है।

● खराब मौसम: घना कोहरा, तेज हवाएं या अचानक बिजली गिरना पायलट के लिए दृश्यता और नियंत्रण की चुनौती पैदा करता है।

● एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती: एटीसी द्वारा गलत निर्देश देना या दो विमानों के बीच सुरक्षित दूरी न रख पाना हवाई टक्करों का कारण बन सकता है।

● रखरखाव में कमी: विमान के पुराने पुर्जों को समय पर न बदलना या सुरक्षा जांच में ढिलाई बरतना जानलेवा साबित होता है।

सुरक्षा के कड़े पहरेदार

● उड़ान समय सीमा: पायलटों की थकान कम करने के लिए काम के घंटों, आराम की अवधि का सख्त निर्धारण।

● सुरक्षा ऑडिट: सभी एयरलाइन और निजी चार्टर विमानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।

● मौसम प्रोटोकॉल: खराब दृश्यता के दौरान विमानों को टेक-ऑफ या लैंडिंग की अनुमति नहीं देना।

● विमान की स्थिति: एक निश्चित सीमा से पुराने या बार-बार तकनीकी खराबी वाले विमानों के संचालन पर प्रतिबंध।

खराब रिकॉर्ड

● बारामती में हादसाग्रस्त विमान वीएसआर वेंचर्स प्रालि का था, कंपनी का सेफ्टी रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। यह तीन साल से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा है। इससे पहले, 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर इसी कंपनी का एक और विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी दूतावास फिर खोलने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संसद को बताया है कि वह वेनेजुएला में बंद अमेरिकी दूतावास को दोबारा खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है। इसके तहत कर्मचारियों की एक टीम वहां भेजी जाएगी, जो सीमित राजनयिक कामकाज संभालेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कर्मचारी एक अस्थायी परिसर में रहकर काम करेंगे। इस दौरान मार्च 2019 में बंद किए गए मौजूदा दूतावास परिसर को आवश्यक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 20 महीने की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्वत लेने के आरोप में 20 महीने जेल की सज़ा सुनाई गई है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ वॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की ज़ब्ती के साथ जेल की सज़ा सुनाई। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो बिहारी गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने हिमालयी देश के रौताहट जिले में बिहार के दो लोगों को नकली भारतीय मुद्रा नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी 30 वर्षीय बिक्रम कुमार पासवान और 42 वर्षीय राहेश कुमार साह को मंगलवार रात दक्षिणी नेपाल में 2500 रुपये मूल्य की नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास 500 और 200 रुपये के नकली नोट थे।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग बंद हो गया है।

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले-व्यापार समझौते के बाद यूरोपियन देशों में दे सकेंगे अपनी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक अब यूरोपियन संघ के देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल अस्पताल के शताब्दी समारोह में मोदी ने कहा कि आयुष चिकित्सक भारत में हासिल की गई व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे, जिससे आयुर्वेद और योग से जुड़े युवाओं को बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईयू के साथ हाल में घोषित ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और उसके चिकित्सकों को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोप में आयुष आरोग्य केंद्र बनाने में भी मदद करेगा और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने आयुर्वेद तथा आयुष से जुड़े सभी आगंतुकों को बधाई दी।

समझौते से भारत को ज्यादा लाभ: अमेरिका

न्यूयॉर्क। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत आगे रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर ने मंगलवार को कहा कि मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि भारत को इससे काफी फायदा होगा।

आयुर्वेद एक इलाके तक सीमित नहीं रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद को बचाने, सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसके संस्थापक वैद्यरत्नम पी एस वारियर के योगदान को भी याद किया। मोदी ने कहा भारत में आयुर्वेद कभी किसी एक ज़माने या इलाके तक सीमित नहीं रहा है और हर ज़माने में, इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने ज़िंदगी को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला 600 से ज़्यादा आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके अस्पताल आयुर्वेदिक तरीकों से रोगियों का उपचार करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत सदियों से आयुर्वेद के जरिए लोगों का इलाज कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के अंदर और बड़े पैमाने पर विदेशों में इसकी अहमियत समझाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण साक्ष्य आधारित अनुसंधान और शोधपत्रों की कमी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आयुर्वेदिक पद्धतियों को विज्ञान के सिद्धांतों पर परखा जाता है, तो लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को लगातार विज्ञान और अनुसंधान की कसौटी पर परखा है। मोदी ने कहा कि संस्थान ने दवा अनुसंधान, क्लिनिकल शोध और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा

● ट्रंप ने सैन्य चेतावनी देने के साथ कूटनीतिक कदम भी बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अमेरिका के आयोवा राज्य के क्लाइव में एक चुनाव-प्रचार जैसे आयोजन में कहा, वैसे इस समय एक और अरमाडा बड़ी खूबसूरती से तैरते हुए ईरान की ओर बढ़ रहा है। हम देखेंगे। उम्मीद है कि वे हमसे समझौता कर लें। उन्हें हमसे पहले ही समझौता कर लेना चाहिए था। कम से कम देश तो बचेगा।

ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वाली दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति परिवर्तनशील है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के और करीब तैनात किया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शर्तें बतायीं, जिनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक, संवर्धित यूरेनियम हटाना, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पर सीमायें और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन का अंत शामिल है। ईरान ने इन शर्तों को सिरे से खारिज किया है, हालांकि बातचीत की इच्छा भी जतायी है। ट्रंप ने जून में किए गए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि तीन प्रमुख ठिकानों पर वार कर ईरान की परमाणु क्षमताओं को 'नष्ट' कर दिया गया। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में तैनात किया गया है, जिससे वह अमेरिकी केंद्रीय कमान के परिचालन क्षेत्र और ईरान के संभावित लक्ष्य क्षेत्रों के और करीब आ गया है।

ईरान ने पश्चिमी एशिया के देशों से संपर्क साधा

दुबई। ईरान के अधिकारियों ने देश पर अमेरिकी हमले के खतरे को लेकर बुधवार को पश्चिमी एशिया के कई देशों से संपर्क साधा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। मिस्र के शीर्ष राजनयिक बदर अब्देलट्टी ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पश्चिमी एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बातचीत की ताकि क्षेत्र को अस्थिरता के नए दौर में जाने से बचाने के लिए शांति स्थापित करने की दिशा में काम किया जा सके। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से फोन पर बात कर उन्हें अपनी ओर से भरोसा दिलाया।

स्पेन में करीब पांच लाख अवैध प्रवासी होंगे वैध

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आव्रजन मंत्री एलमा सैज़ ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किए जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सैज़ ने कहा, यह केवल अनुमान हैं, लेकिन आंकड़ा लगभग पांच लाख के आसपास हो सकता है। यह योजना उनपर लागू होगी जो पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान जासूसी मामले में सुनाई 5 साल की सजा

● एनआईए अदालत के समक्ष आरोपी ने कबूला जुर्म

नई दिल्ली,एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी अल्ताफहुसैन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान जुर्म कबूल कर लिया था।

इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 37 गवाहों से पूछताछ की थी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को सिम कार्ड, ओटीपी और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी पाए गए अल्ताफहुसैन को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच साल और छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दो साल और छह महीने के साधारण कैद की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

रूस ने यूक्रेनी ट्रेन पर किया हमला पांच लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसेंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को आतंकवाद की करतूत बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज़्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन में से एक ने हमला किया था।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

● राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 20 स्थानों पर की छानबीन

कोच्चि, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कुल 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में पीएफआई कार्यकर्ताओं और उसके सहयोगी संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। एसडीपीआई को प्रतिबंधित पीएफआई का सहयोगी संगठन माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चावक्काड में पूर्व पीएफआई जिला नेता और वर्तमान एसडीपीआई कार्यकर्ता फामिस अबूबक्कर के आवास की भी गहन तलाशी ली गई, जहां एनआईए की टीम ने दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। यह अभियान मुख्य रूप से एर्नाकुलम, त्रिशूर और पालक्काड जिलों में केंद्रित रहा, जहां कई टीमों ने एक साथ उन ठिकानों पर तलाशी ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संगठन को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बावजूद उसके नेटवर्क राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम को मजबूत करेगा उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए हथियार के परीक्षण का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के आगामी सम्मेलन में उनकी सरकार अपने परमाणु कार्यक्रम को और मजबूत करने की योजना की घोषणा करेगी। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान ने कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को किम जोंग उन की मौजूदगी में बड़े और उन्नत रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 29 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 13.55 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

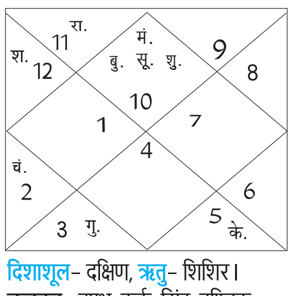

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-रोहिणी 07.31 तक तत्पश्चात मृगशिरा 30 जनवरी 05.29 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष: आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। नए विषयों के अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृष: आज का दिन कारोबार में विस्तार करने के लिए अनुकूल है। उत्तम भोजन का आनंद लेंगे। कुछ नजदीकी लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन: आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कानूनी मामलों को लेकर जल्दबाजी न करें। किसी को धन उधार न दें। पुराने मामले को लेकर परेशानी हो सकती है। विद्यार्थियों की शिक्षा में थोड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कर्क: आज नई संपत्ति खरीद सकते हैं। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक लाभ हो सकता है। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। अपने खानपान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

सिंह: आज नकारात्मक विचारों से दूर रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दुविधा की स्थिति में फंस सकते हैं।

कन्या: आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। नौकरी में अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। व्यापार को लेकर कोई बड़ा सौदा हो सकता है। कारोबारी यात्राओं के दौरान आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी अत्यधिक चर्चा होगी।

तुला: आज अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं। अनावश्यक खर्च अचानक से बढ़ सकते हैं। इसके कारण आपके निजी जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। व्यवसाय को लेकर कुछ अदूरदर्शी निर्णय लेने से बचें। थोड़ा सोच-विचार कर ही काम करें।

वृश्चिक: आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने काम में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु: आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके कष्टों का निवारण होगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

मकर: आज व्यापार में अधिक परिवर्तन न करें। भौतिक सुख-साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बच्चों के व्यवहार से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुंभ: आज कुछ पारिवारिक शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। परिवार के किसी सदस्य को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण सिरदर्द हो सकता है। अपनी जीवनशैली को अनुशासित रखें।

मीन: आज अपने संपर्क क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करेंगे। लोगों से आपको अत्यधिक प्रेम व सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। कड़ी मेहनत के द्वारा आपके कार्य सफल होंगे।

सुडोकू -45

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2				8		
		1	5					7
	3			8		9		4
		5	2			7		8
	8						9	
2		9			6	1		
7		3		9			8	
					1	5		
		6				3		

सुडोकू - 44 का हल

5	8	9	1	4	3	6	2	7
4	2	1	9	7	6	3	8	5
6	3	7	2	5	8	1	9	4
8	6	2	4	3	7	9	5	1
7	9	4	5	8	1	2	6	3
3	1	5	6	9	2	4	7	8
2	4	3	7	6	5	8	1	9
1	7	8	3	2	9	5	4	6
9	5	6	8	1	4	7	3	2

“जो भारतीय बल्लेबाज तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, उन्हें अपने लाल गेंद की स्किल को निखारने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और यही हाल के वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में उनकी कमजोरियों की एक बड़ी वजह है।
–राहुल द्रविड़

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार ,29 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन के सामने कमजोर पड़ना आश्चर्यजनक

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान स्मिथ अब भी 2024 के आखिर में भारत में न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में 3-0 की ऐतिहासिक जीत को लेकर हैरान हैं और उनका मानना है कि हाल के दिनों में लाल गेंद की क्रिकेट में घरेलू मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष की बड़ी वजह स्पिन के खिलाफ घटती क्षमता रही है। खब्बू स्पिनर एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर भारत में उस यादगार टेस्ट सीरीज की जीत के मुख्य सूत्रधार थे। इससे परिणाम से मेजबान टीम का 12 वर्षों से चला आ रहा अजेय क्रम टूट गया।

फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है पर वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड की चोट से बड़ा झटका लगा है। लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर लिया गया है। आरसीबी पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, पर उसके बाद दो हार से झटका लगा है।

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ जीती सीरीज

कोलंबो। हैरी ब्रूक (नाबाद 136) और जो रूट (नाबाद 111) की आतिशी शतकीय पारियों और इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 53 रन से जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। यह तीन साल में पहली बार है जब इंग्लैंड ने विदेश में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 357 का कुल स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 304 रनों पर आलआउट हो गई।

महिला सीनियर कबड्डी शुरू

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के पहले दिन हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बालायोगी स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुई चैंपियनशिप में पहले दिन कई निर्णायक नतीजे देखने को मिले। भारत के महिला कबड्डी विश्व कप जीत के तुरंत बाद हो रही इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन टीम के कई सदस्य अब अपने-अपने राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी तक चलेगी।

दुबे के ताबड़तोड़ अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रनों से हराया

चौथा टी-20 मुकाबला : कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज का अंतर 3-1 किया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

शिवम दुबे ने बेहद आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन यह न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां बुधवार को खेले गए चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत की 50 रन की हार को टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 215 रन बनाने के बाद भारत को 18.4 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया।

दुबे ने 23 गेंदों पर 65 रन (तीन चौके, सात छक्के) की विस्फोटक पारी खेली और 216 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए लगभग अकेले संघर्ष किया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज में अंतर को 3-1 कर दिया। इशान किशन के चोट के कारण बाहर रहने से अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव से तेज शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन अभिषेक भारत की पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जब उन्होंने मैट हेनरी की गेंद को डीप पॉइंट पर डेवोन कॉन्वे के हाथों में थमा दिया। सूर्यकुमार यादव के रक्षात्मक शॉट को जैकब डफी ने शानदार रिटर्न कैच में तब्दील किया और भारत का स्कोर नौ रन पर दो विकेट हो गया। रिंकू सिंह (39) और संजू सैमसन (24) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वे पावरप्ले में या उसके बाद रन गति नहीं बढ़ा सके। रिंकू को जैक फोक्स ने पगबाधा आउट किया, जबकि डफी की गेंद पर शानदार फ्लिक शॉट से छक्का लगाने वाले सैमसन को मिचेल सैंटनर की सीधी गेंद ने बोल्ड कर दिया। हार्दिक पांड्या भी कोई खास योगदान नहीं दे सके और 11वें ओवर में भारत का स्कोर 82 रन पर पांच विकेट हो गया। इसके बाद दुबे और हर्षित राणा (9) पर जिम्मेदारी आ गई। दुबे ने बेखौफ बल्लेबाजी की और लगातार बढ़ती रन गति के दबाव को शायद ही महसूस किया, जो ज्यादातर समय 14 के आसपास बनी रही। जब वह 46 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया लेकिन डीआरएस के जरिए वह आउट होने से बच गये। उन्होंने ईश सोढ़ी के तीसरे ओवर में 29 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। दुबे ने डफी की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह भारत की ओर से इस प्रारूप में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। छठे विकेट के लिए दुबे और हर्षित राणा ने 63 रन जोड़े, जिसमें राणा का योगदान चार रन का रहा। लेकिन दुबे की किस्मत तब साथ छोड़ गई, जब राणा का सीधा शॉट हेनरी के हाथ से टकराकर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स से जा टकराया। इसके साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गई।

इससे पहले टिम सिफर्ट की तूफानी अर्धशतकीय पारी से न्यूजीलैंड ने 200 रन के पार पहुंचाया। सिफर्ट (36 गेंदों पर 62 रन, सात चौके, तीन छक्के) न्यूजीलैंड के सबसे सफल बल्लेबाज रहे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका। 'बिग बैश लीग' खेलकर टीम से जुड़े सिफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए और अर्शदीप सिंह के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। अगले ओवर में उन्होंने हर्षित राणा को लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़कर अपनी ताकत और टाइमिंग का प्रदर्शन किया। इसके बाद राणा के अगले ओवर में सिफर्ट ने लगातार गेंदों पर एक छक्का और एक चौका लगाया और फिर जसप्रीत बुमराह की गेंद को साइट-स्क्रीन के ऊपर भेजकर एक और छक्का जमाया। न्यूजीलैंड ने चौथे ओवर में 50 रन पूरे कर लिये और पावरप्ले के बाद टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 71 रन था।

जीत का जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

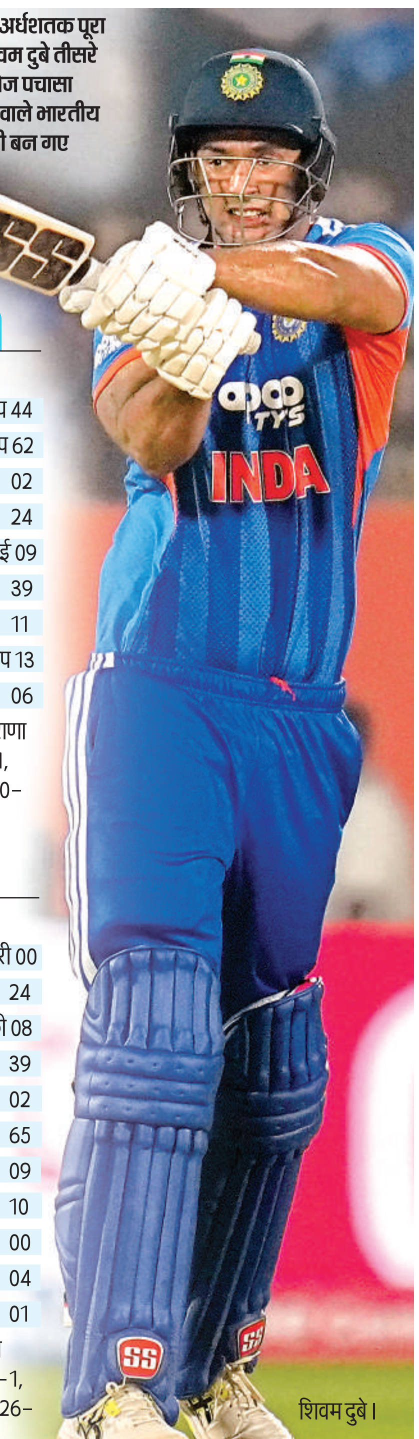

15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर शिवम दुबे तीसरे सबसे तेज पचासा लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए

शिवम दुबे।

न्यूजीलैंड

215/7 (20 ओवर)

डेवोन कॉन्वे का रिंकू बो कुलदीप	44
टिम सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप	62
रचिन रवींद्र का एवं बो बुमराह	02
फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप	24
मार्क चैपमैन का राणा बो बिश्नोई	09
डेरिल मिचेल नाबाद	39
मिचेल सैंटनर रन आउट	11
जैक फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप	13
मैट हेनरी नाबाद	06

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-33-2, राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2

भारत

165/10 (18.4 ओवर)

अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी	00
संजू सैमसन बो सैंटनर	24
सूर्यकुमार यादव का एवं बो डफी	08
रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स	39
पंड्या का फोक्स बो सैंटनर	02
शिवम दूबे रन आउट	65
हर्षित राणा का रवींद्र बो सोढ़ी	09
रवि बिश्नोई नाबाद	10
अर्शदीप का सैंटनर बो सोढ़ी	00
बुमराह का सोढ़ी बो सैंटनर	04
कुलदीप का सिफर्ट बो डफी	01

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-1, फोक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटनर 4-0-26-3, फिलिप्स 1-0-7-0

अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप
9 दिन शेष

टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा ।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है।

उन्होंने कहा वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है । वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई। उन्होंने कहा वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली।

हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होता है तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है । टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है । हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है। रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें । दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है । वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।

टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स

गुकेश हारे प्रज्ञानानंद की पहली जीत

विज आन ली (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में के नौवें दौर में बुधवार को यहां जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

डी. गुकेश।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंद ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। सिंदारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

खेल संघों को राष्ट्रीय प्रतीक और लोगो के अनाधिकृत उपयोग को बंद करने का निर्देश

- **खेल मंत्रालय ने निर्देशों का उल्लंघन करने पर मान्यता निलंबित करने की चेतावनी दी**

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे अपनी स्टेशनरी और डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों तथा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लोगो के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में मान्यता निलंबित की जा सकती है। राष्ट्रीय महासंघों की वेबसाइटों पर, खासकर होम पेज के निचले हिस्से में, संबद्धता दर्शाने के लिए साइ और मंत्रालय के लोगो दिखाई देना आम बात है। उनकी स्टेशनरी पर भी ये लोगो अंकित रहते हैं और मंत्रालय के प्रतीक में राज्य प्रतीक शामिल होता है।

मंत्रालय ने कहा यह पाया गया है कि कुछ एनएसएफ अपने लेटरहेड, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्रियों पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा इस प्रकार का उपयोग अनधिकृत है और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशानिर्देशों तथा कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा इसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता की रोक भी शामिल है।

भारत का राज्य प्रतीक मौर्य सम्राट अशोक के सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ से लिया गया है, जो वर्तमान में सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित है। सिंह स्तंभ की आकृति में एक आधार पर स्थापित तीन सिंह दर्शाए गए हैं, जिनके मध्य में धर्मचक्र, दाईं ओर बैल और बाईं ओर दौड़ता हुआ घोड़ा अंकित है, जबकि दोनों छोरों पर धर्मचक्र की आकृतियां हैं।इसके उपयोग से संबंधित मौजूदा कानून के अनुसार, केवल केंद्र सरकार ही उन मामलों में इसके उपयोग की अनुमति दे सकती है, जहां आधिकारिक संबद्धता का संकेत मिलता हो। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भले ही एनएसएफ को सरकार से मान्यता प्राप्त हो और वे वित्तीय सहायता के पात्र हों, लेकिन इससे उन्हें भारत सरकार, मंत्रालय या साई के नाम, प्रतीक या लोगो के उपयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकार ने कहा, “एनएसएफ केवल मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता का पाठ्य रूप में उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन किसी भी आधिकारिक लोगो या प्रतीक का उपयोग नहीं कर सकते। एनएसएफ को जारी निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साइ के लोगो का उपयोग केवल प्रतियोगिता या आयोजन विशेष प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनज या स्मृति चिन्ह” तक सीमित रहेगा। यह अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां आयोजन को वित्तीय सहायता दी गई हो या औपचारिक मान्यता प्रदान की गई हो। निर्देश दिया गया है कि वे हर जगह से अनधिकृत लोगो तत्काल हटाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनकी संबद्धता किसी भी रूप में गलत तरीके से

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

जोकोविच भाग्य के सहारे आगे बढ़े, महिला वर्ग में एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

यानिक सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

एलिना रिबाकिना।

जेसिका पेगुला।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रिबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, पर फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी। उनका कहना है इस बार वे भाग्यशाली रहे।

अत्यधिक कैमरों पर स्वियातेक भी झल्लाईं

मेलबर्न। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है।